www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 9 । अंक – 77 । नर्मदापुरम, शनिवार 13 जून 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

डीजल संकट : डोलरिया और आसपास के 40 गांवों के किसान परेशान — पृष्ठ 2

मरूभूमि में आत्मनिर्भरता की राह
घरेलू सोने का उपयोग कर विदेशी मुद्रा बचाने की पेशकश — पृष्ठ 4

नगर को मिली क्रिकेट मैदान की सौगात — पृष्ठ 6

छोटे किसानों को सशक्त बनाने पर फोकस — पृष्ठ 8

मीनाक्षी का नामांकन रद्द होने के खिलाफ विधायकों का दिल्ली में प्रदर्शन

राष्ट्रपति भवन जा रहे कांग्रेस विधायकों को पुलिस ने हिरासत में लिया

- वोट चोरी के बाद अब सीट चोरी का आरोप
- चुनाव आयोग निष्पक्ष काम नहीं कर रहा है

नई दिल्ली, देशबन्धु। मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द होने के मामले सर्वोच्च न्यायालय से भी राहत नहीं मिलने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि देश चुनावी तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि सरकार आरएसएस के एजेंटों को बड़े पदों पर बिठा कर मनमानी करवा रही है। मीनाक्षी का नामांकन रद्द होना गैरकानूनी और लोकतंत्र के खिलाफ है। प्रधानमंत्री कांग्रेस और लोकतंत्र को खत्म करने के लिए ऐसी साजिशें करवा रहे हैं। नामांकन रद्द होने के मामले में दो उदाहरण सामने हैं- पहला झारखंड में भाजपा व कॉर्पोरेट समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी को पूरा समय दे कर फार्म की गलतियां ठीक कराई गईं, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार का नामांकन रद्द कर दिया गया। इससे साफ है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष काम नहीं कर रहा है।

कांग्रेस की अब जनता के बीच जाने की तैयारी

प्रेस कांफ्रेंस के बाद जब यह नेता अपने विधायकों के साथ राष्ट्रपति भवन कूच करने लगे तो पुलिस ने धारा 163 का हवाला देते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। फिर इन विधायकों को बसों में बिठाकर नजदीकी थाने ले जाया गया। इसी दौरान कुछ कार्यकर्ता चुनाव आयोग के सामने पहुंच कर नारेबाजी करने लगे, जिन्हें पुलिस ने वहां से हटाया। ध्यान रहे कि दो दिन पहले कांग्रेस ने मीनाक्षी के नामांकन रद्द होने के मामले पर चुनाव आयोग में ज्ञापन दिया था। साथ ही आग्रह किया था कि वह अपनी शक्ति का इस्तेमाल कर निर्वाचन अधिकारी का फैसला बदले, लेकिन उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जहां उसकी याचिका को ही खारिज हो गई। अब कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने की तैयारी कर रही है।

61 विधायकों ने जंतर मंतर पर किया सत्याग्रह

इसके पहले शुक्रवार को सुबह साढ़े नौ बजे से मध्य प्रदेश से आए कांग्रेस के 61 विधायकों ने जंतर मंतर पर सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया, लेकिन जब वे राष्ट्रपति भवन कूच करने लगे तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और बस में बिठा कर नजदीकी थाने ले गई। इस दौरान विधायकों ने मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधायकों के साथ मौजूद मीनाक्षी ने कहा कि चुनाव आयोग की सरकार के साथ सांठगांठ है। यह इस बात से भी पता चलता है कि अदालत में इस मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश सरकार के वकील खड़े हुए, जबकि इस विषय का संबंध राज्य सरकार से नहीं, बल्कि चुनाव आयोग से है। उनका कहना था कि उन्होंने अपने नामांकन पत्र में कोई गलती नहीं की। निजी शिकायत की जानकारी देने के लिए फार्म 26 में कोई कॉलम ही नहीं था। मीनाक्षी ने कहा कि उनके खिलाफ न तो कोई आपराधिक मामला लंबित है और न ही ऐसे किसी मामले में उन्हें दोषी करार दिया गया है। उधर विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा पहले वोट चोरी करती थी, लेकिन अब सीधे सीट चोरी करने लगी है। यह सरकार आरएसएस के एजेंटों को बड़े पदों पर बिठा कर मनमानी करवा रही है। मीनाक्षी का नामांकन रद्द होना गैरकानूनी और लोकतंत्र के खिलाफ है : **मल्लिकार्जुन खरगे,** कांग्रेस अध्यक्ष

घटना चुनावी निरंकुशता की शुरुआत है। उन्होंने यह भी बताया कि जब निर्वाचन अधिकारी से इस गलत फैसले के बारे में पूछा गया तो उसने स्वीकार किया कि सरकार का दबाव था। वहीं प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन अधिकारी आरएसएस की पृष्ठभूमि से आते हैं और उनकी भूमिका पहले से ही संदिग्ध रही है। संख्या बल के हिसाब कांग्रेस को 58 विधायकों की जरूरत थी। साथ ही उसे निर्दलीय सदस्यों का भी समर्थन हासिल है। इस एकजुटता से भयभीत होकर भाजपा ने मीनाक्षी का नामांकन रद्द करवाया है। मध्य प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने चुनाव आयोग पर एक पक्षीय होने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव आयुक्तों की चयन प्रक्रिया से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा कर एक कैबिनेट मंत्री को शामिल कर लिया है। अब सरकार जिसे चाह रही है, उसे नियुक्त कर रही है।

गौरतलब है कि प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक कमलनाथ शामिल नहीं थे। वहीं प्रतिमा बागरी ने भाजपा का दामन थाम लिया है। जबकि राजेंद्र भारती का चुनाव अदालत ने रद्द कर दिया है। यही वजह थी कि कांग्रेस के 64 में से 61 विधायक ही प्रदर्शन में शामिल थे।

सर्वोच्च न्यायालय ने की नटराजन की याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। *सुप्रीम कोर्ट उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन रद्द होने को चुनौती दी थी। हालांकि, अदालत ने उन्हें यह छूट दी है कि वह जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत चुनाव याचिका दायर कर इस मामले को आगे बढ़ा सकती हैं। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ए एस चांदूरकर की पीठ ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने व्यवस्था दी कि संविधान के अनुच्छेद 329 के तहत इस चरण में न्यायिक हस्तक्षेप वर्जित है। यह टिप्पणी करते हुए कि इस चुनौती को वैधानिक चुनाव याचिका तंत्र के माध्यम से उठाया जा सकता है, पीठ ने रिट याचिका को विचारणीय न मानते हुए खारिज कर दिया। सुश्री नटराजन का नामांकन नौ जून को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उन्होंने अपने हलफनामे में इस बात का खुलासा नहीं किया था कि तेलंगाना की एक अदालत में उनके खिलाफ एक निजी शिकायत दर्ज की गई थी।*

चुनाव याचिका दायर करने की दी छूट

कोलकाता में 4 हजार ईवीएम जलकर खाक

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल की टूट से मचे सियासी घमासान के बीच कोलकाता में चौंका देने वाली घटना सामने आई है। कोलकाता के अलीपुरद्वार इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से 4000 ईवीएम जल गई हैं। आग लगने के बाद लगभग 24 घंटे तक फायर सर्विस के कर्मचारी आग बुझाने में लगे रहे। शुभेंदु अधिकारी सरकार में मंत्री कौशिक चौधरी ने हादसे पर शक जताया है। उन्होंने बताया कि एक सरकारी इमारत में लगी आग में करीब 4,000 ईवीएम जलकर खाक हो गईं। घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार को दक्षिण कोलकाता के अलीपुर इलाके में नौ मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई थी। इस इमारत में अन्य विभागों के अलावा दक्षिण 24 परगना जिला परिषद का कार्यालय भी था।

- विधानसभा चुनावों में हुआ था इस्तेमाल
- अग्निशमन मंत्री ने साजिश की आशंका जताई

इन ईवीएम का इस्तेमाल राज्य में इस साल हुए विधानसभा चुनावों के दौरान 10 निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया था। घटनास्थल का दौरा करने के बाद चौधरी ने कहा कि यह सामान्य आग नहीं लगती। हम जांच कर रहे हैं कि क्या कोई तोड़-फोड़ की गई थी। अभी यह साफ नहीं है कि आग नौवीं और दसवीं मंजिल तक कैसे पहुंची। उन्होंने कहा कि आग सबसे पहले इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल पर देखी गई थी।

कांग्रेस व आप ने उठाए सवाल

कांग्रेस ने कहा- सरकार और चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि आग कैसे लगी और ऊपरी मंजिलों तक कैसे पहुंची। आम आदमी पार्टी(आप) का भी कहना है कि एक सरकारी बिल्डिंग में इतनी बड़ी आग कैसे लगी और हजारों ईवीएम इसकी चपेट में कैसे आ गईं।

सार-समाचार

अमरनाथ यात्रा से पहले नुनवान बेस कैंप में माक ड्रिल

जम्मू, एजेंसी। आने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा और तैयारी के उपायों के तहत, अनंतनाग पुलिस ने सेना व अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर पहलगाम के नुनवान बेस कैंप में एक माक ड्रिल आयोजित की। यह माक ड्रिल संभावित खतरों से निपटने की तैयारियों को जांचने के इरादों से की गई। इस अभ्यास का मकसद यात्रा के दौरान संभावित आपातकालीन स्थितियों से निपटने में विभिन्न सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों की तैयारी, तालमेल और प्रतिक्रिया क्षमताओं का परीक्षण करना था।

नए दूरसंचार नियमों का मसौदा जारी, लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने टेलीविजन, रेडियो और संबंधित प्रसारण सेवाओं से जुड़े दूरसंचार नियमों के मसौदे को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी कर लोगों से सुझाव मांगे हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सरकार द्वारा तैयार किए गए दूरसंचार (टेलीविजन, रेडियो और संबद्ध सेवाएं) नियम, 2026 का उद्देश्य प्रसारण क्षेत्र से जुड़े विभिन्न दिशानिर्देशों को एकीकृत और सरल बनाना है। संसद ने 2023 में दूरसंचार अधिनियम पारित किया था, जिसने 1885 के पुराने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम का स्थान लिया।

14 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में तस्करी विरोधी समन्वित अभियान में 14 करोड़ रुपए मूल्य की 71 लाख विदेशी सिगरेट जब्त कर इस मामले में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार विदेशी मूल की सिगरेटों की तस्करी के खिलाफ मई में शुरू किए गए एक बड़े और समन्वित अभियान के तहत डीआरआई ने पूर्वोत्तर क्षेत्र से तस्करी कर लाई गई कुल लगभग 71,00,000 विदेशी सिगरेट जब्त की है। जब्त माल की अनुमानित कीमत लगभग 14 करोड़ रुपए है। इन मामलों में चार व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

एक दिन में अधिकतम 2 सौ लीटर डीजल खरीदने की सीमा तय

नई दिल्ली, एजेंसी। डीजल की खुदरा बिक्री में कई जिलों में भारी वृद्धि के बाद सरकार ने औद्योगिक तथा संस्थागत उपभोक्ताओं के लिए आम पेट्रोल पंपों से इसकी खरीद पर रोक लगा दी है। इसके अलावा, कालाबाजारी रोकने के लिए खुदरा ग्राहकों के लिए भी एक दिन में खरीद की अधिकतम सीमा 200 लीटर तय कर दी गयी है, और यह शर्त भी रखी गयी है कि वे इसकी पुन: बिक्री नहीं कर सकेंगे। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार देर रात नया नियंत्रण आदेश जारी किया। इसे फिलहाल 90 दिन के लिए लागू किया गया है। इसमें कहा गया है कि किसी भी वाहन या व्यक्ति को एक दिन में पेट्रोल पंप पर 200 लीटर से अधिक डीजल नहीं मिलेगा। नये नियम से लंबी तथा मध्यम दूरी के माल परिवहन वाले ट्रकों पर असर पड़ने की संभावना है। खुदरा बिक्री केंद्रों (पेट्रोल पंप डीलरों) को आदेश दिया गया है कि वे डीजल की बिक्री केवल वाहनों के टैंक अथवा पेसो (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) से अनुमोदित कंटेनर में ही करेंगे।

औद्योगिक, व्यावसायिक ग्राहकों को पेट्रोल पंप से तेल खरीद पर रोक

आदेश में फिलहाल पेट्रोल की खुदरा बिक्री की कोई सीमा तय नहीं की गयी है, लेकिन भविष्य में ऐसा करने की गुंजाइश रखी गयी है। साथ ही, डीजल के साथ इसकी भी जमाखोरी रोकने के लिए कार्रवाई का प्रावधान है। तत्काल प्रभाव से लागू इस आदेश में कहा गया है कि संस्थागत और प्रत्यक्ष अथवा औद्योगिक तथा व्यावसायिक ग्राहक खुदरा बिक्री केंद्र से पेट्रोल या डीजल नहीं खरीदेंगे या नहीं मंगवायेंगे। वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति केवल अपने उपभोक्ता पंप से ही करेंगे।

राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वे आज के आदेश और अन्य लागू कानूनों के तहत पेट्रोल और डीजल से संबंधित जमाखोरी, कालाबाजारी, अनधिकृत रूप से उनकी खरीद, जिस उद्देश्य के लिए खरीदा गया है उससे अलग इस्तेमाल और अन्य अनाचारों के विरुद्ध कार्रवाई सहित सभी आवश्यक उपाय करेंगे।

उच्चतर माध्यमिक द्वितीय परीक्षा में बेटियों का दबदबा बरकरार

भोपाल, देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित उच्चतर माध्यमिक द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को सायं चार बजे घोषित कर दिया गया। घोषित नतीजों में एक बार फिर बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

मंडल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नियमित विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम उत्साहजनक रहा। नियमित छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 62.31 रहा, जबकि छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 57.36 दर्ज किया गया। इस प्रकार छात्राओं ने सफलता की दौड़ में स्पष्ट बढ़त हासिल की है। परीक्षार्थी अपना परिणाम मंडल के आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं।

उच्चतर माध्यमिक द्वितीय परीक्षा में प्रदेशभर से 1 लाख 42 हजार 468 नियमित विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 1 लाख 42 हजार 467 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। घोषित परिणाम में 84 हजार 871 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए हैं।

एनटीए ने नीट परीक्षा की अवधि 15 मिनट बढ़ाई

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (यूजी) - 2026 परीक्षा को अधिक छात्र-अनुकूल बनाने के लिए परीक्षा समय को 15 मिनट बढ़ाने का फैसला किया है। एनटीए ने शुक्रवार को सार्वजनिक सूचना जारी कर कहा कि 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा की कुल अवधि बढ़ाकर 195 मिनट कर दी गई है। अब परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम सवा पांच बजे तक आयोजित होगी। इस अतिरिक्त समय में उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर और अन्य अनिवार्य औपचारिकताओं का समय भी शामिल रहेगा, जिससे छात्रों को वास्तविक परीक्षा समय में किसी प्रकार की कमी महसूस नहीं होगी।

परीक्षा की कुल अवधि बढ़ाकर 195 मिनट की गई

इसके अलावा, प्रश्न पुस्तिका में रफ वर्क के लिए उपलब्ध स्थान को भी बढ़ाया गया है। पहले जहां केवल दो रफ वर्क पेज दिए जाते थे, वहीं अब छात्रों को चार रफ वर्क पेज उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे गणनाएं, आरेख और अन्य कार्य करने में अधिक सुविधा मिलेगी।

प्रश्न पुस्तिका के डिजाइन में भी किया बदलाव

एनटीए ने प्रश्न पुस्तिका के डिजाइन में भी बदलाव किया है। पहले रफ वर्क के सभी पृष्ठ पुस्तिका के अंत में दिए जाते थे लेकिन कई अभ्यर्थियों, विशेषकर बाएं हाथ से लिखने वाले छात्रों ने इसे असुविधाजनक बताया था। इस समस्या के समाधान के लिए अब दो रफ वर्क पेज निर्देश पृष्ठ के तुरंत बाद प्रारंभ में और दो पेज पुस्तिका के अंत में दिए जाएंगे। यह व्यवस्था अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा दोनों संस्करणों में लागू होगी। एजेंसी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली में किए गए ये छोटे-छोटे सुधार अभ्यर्थियों के परीक्षा अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। इन बदलावों का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सहज, सुविधाजनक और छात्र-केंद्रित बनाना है, जबकि निष्पक्षता और सुरक्षा के उच्च मानकों को भी बनाए रखा जाएगा।

पूर्व निशानेबाज जसपाल राणा का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दिग्गज निशानेबाज और भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई-परफॉर्मेंस कोच जसपाल राणा का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन को खेल जगत के लिए बड़ी क्षति बताते हुए दुख व्यक्त किया है। भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) ने जसपाल राणा के निधन की पुष्टि की है। वह 49 वर्ष के थे। उन्हें वर्ष 2020 में खेल जगत के सर्वोच्च कोचिंग सम्मान 'द्रोणाचार्य पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्वकप से भारतीय दल की वापसी के दौरान फ्लाइट में जसपाल राणा की तबीयत बिगड़ गई थी, वह असहज महसूस कर रहे थे। दिल्ली पहुंचने के बाद उन्हें साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

मनु भाकर ने उनकी देखरेख में जीते पदक : सफल और गौरवशाली निशानेबाजी करियर के बाद राणा ने जूनियर राष्ट्रीय टीम कोच और हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनर के रूप में भारतीय निशानेबाजी टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कोच के रूप में उनके योगदान में मनु भाकर को प्रशिक्षण देना शामिल है। उनकी देखरेख में मनु भाकर ने 2024 पेरिस ओलंपिक में दो जीते थे। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप और एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट, अंतरराष्ट्रीय शूटर जसपाल राणा के निधन पर दुख व्यक्त किया।

गृह विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने दिखाई सख्ती, कहा-

बेहतर कानून व्यवस्था के लिए वरिष्ठ अधिकारी भी रहें मुस्तैद

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में गृह विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पुलिस प्रशासन को राज्य में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बदलते दौर में पुलिस बल को नई चुनौतियों से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर आरक्षक स्तर तक के कर्मियों को सजग और सक्रिय भूमिका निभाने को कहा है।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्चुअली शामिल हुए, जबकि अपर मुख्य सचिव गृह संजय कुमार शुक्ल और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं की सुरक्षा और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केंद्रों के निकट छेड़छाड़ की घटनाएं कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए कि महिलाओं और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के प्रति अत्यंत गंभीर रहें। इसके साथ ही, उन्होंने गौवंश रक्षा पर पूरा ध्यान देने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की बात कही। भू-माफिया और संगठित अपराधियों को चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों की संपत्ति कुर्क करने में पुलिस पीछे न रहे और अपने मुखबिर तंत्र को और अधिक सशक्त बनाए।

प्रदेश में लागू होगा अन्वेषण भत्ता : राज्य में अपराधों की विवेचना को प्रभावी बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार अन्वेषण भत्ता लागू करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस संबंध में अन्य राज्यों की व्यवस्थाओं का अध्ययन किया गया है। अपराध स्थल पर त्वरित पहुंच, साक्ष्य संकलन, डिजिटल साक्ष्य संग्रह, वीडियोग्राफी, अभियुक्तों व गवाहों के परिवहन, भोजन और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े आकस्मिक खर्चों को देखते हुए विवेचना अधिकारियों को यह भत्ता देने की योजना है।

तकनीकी नवाचार और सिंहस्थ 2028 की तैयारियां : बढ़ते सायबर अपराधों और सोशल मीडिया व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग को रोकने के लिए गृह विभाग प्राथमिकता से आईटी विशेषज्ञों की सेवाएं लेगा। राज्य में सेफगार्ड एमपी प्रणाली के माध्यम से बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए एआई का प्रयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पुलिस जांच में ई-चालान और ई-साक्ष्य जैसी आधुनिक प्रणालियों का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए।

आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए बैठक में भीड़ प्रबंधन, यातायात, वीआईपी सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक पुलिस बल की व्यवस्था पर चर्चा हुई। डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि उज्जैन में कंट्रोल रूम और अन्य अधोसंरचनाओं का विकास तात्कालिक न होकर स्थायी महत्व का होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के लिए कम लागत पर आवास उपलब्ध कराने और युवाओं को नशे से बचाने के लिए निरंतर नशा विरोधी अभियान चलाने के निर्देश दिए।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

अज्ञात वाहन ने युवक को मारी टक्कर, गंभीर घायल

इटारसी, देशबन्धु। शहर के मालवीयगंज क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात चार पहिया वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना मालवीयगंज में पानी की टंकी के पास हुई। घायल की पहचान महबूब खान उम्र 40 वर्ष, निवासी बूढ़ी माता मंदिर के पास, मालवीयगंज, इटारसी के रूप में हुई है। महबूब खान को गंभीर चोटें आई हैं। घायल की पत्नी की शिकायत पर इटारसी पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

जेवर हड़पने वाले दंपत्ति पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

इटारसी, देशबन्धु। पुरानी इटारसी की कृष्ण विहार कॉलोनी में भरोसे का कत्ल करते हुए एक दंपत्ति द्वारा करीब 28 तोला सोने के गहने हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अमानत में खयानत और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मीठा कुआं दुर्गा मंदिर के पास, पुरानी इटारसी निवासी फरियादी बहादुरसिंह 41 वर्ष, पिता गुलाबसिंह चौहान ने अपने सोने के जेवर कृष्ण विहार कॉलोनी निवासी परिचित संगीता चौरे और मुरारीलाल चौरे के पास भरोसे पर रखे थे। आरोप है कि यह जेवर 5 अगस्त 2025 से 10 सितंबर 2025 के बीच रखे गए थे, लेकिन जब फरियादी ने अपने गहने वापस मांगे, तो उक्त दंपत्ति ने उन्हें लौटाने से साफ इंकार कर दिया और धोखाधड़ी की।

इस मामले की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों संगीता चौरे और मुरारीलाल चौरे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हड़पे गए 28 तोला सोने के गहनों की कुल कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है।

दलित परिवार से मारपीट, दो भाइयों पर मामला दर्ज

इटारसी, देशबन्धु। रामपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सलारी में पुरानी रंजिश के चलते एक दलित परिवार के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुर्रा-सिलारी-चिल्हई तिराहा पर घटना हुई। फरियादी राममोहन अहिरवार 47 वर्ष, पिता तुलसीराम अहिरवार ने शिकायत दर्ज कराई कि ग्राम सलारी निवासी दो सगे भाइयों बृजेश मीना 32 वर्ष और राहुल मीना 35 वर्ष, पिता रामभरोस मीना ने उन्हें और उनके माता-पिता को रोका।

आरोपियों ने फरियादी राममोहन, उनके बुजुर्ग पिता तुलसीराम अहिरवार 72 वर्ष और माता सुमंतरा बाई 70 वर्ष को गालियां दीं और अपमानित करने की नीयत से सरेराह जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। आरोपियों ने एकजुट होकर तीनों को मुक्के, थप्पड़ और डंडे से बेरहमी से पीटा, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। रामपुर गुर्रा पुलिस ने फरियादी राममोहन अहिरवार की शिकायत पर आरोपी बृजेश मीना और राहुल मीना के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

अवैध महुआ शराब बेचते 2 आरोपी दबोचे

इटारसी, देशबन्धु। अवैध शराब तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पथरोटा पुलिस ने ग्राम कुबड़ाखेड़ी में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध हाथ भट्टी की महुआ शराब जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

ग्राम कुबड़ाखेड़ी में राजकुमार चौरे के खेत के पास पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी। वहां नयाखेड़ा निवासी आरोपी राजकुमार 45 वर्ष, पिता रामनारायण चौरे अवैध रूप से हाथ भट्टी की महुआ शराब बेच रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे स अवैध महुआ शराब जब्त की। कुबड़ाखेड़ी में ही राजकुमार चौरे के खेत के पास ही नयाखेड़ी निवासी आरोपी राकेश उर्फ कालीचरण इवने 35 वर्ष, पिता मंशाराम इवने को अवैध शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इसके कब्जे से भी पुलिस ने अवैध हाथ भट्टी की महुआ शराब जब्त की। पथरोटा पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

नाला मोहल्ला पेट्रोल पंप पर उमड़ी भीड़

डीजल संकट : डोलरिया और आसपास के 40 गांवों के किसान परेशान

इटारसी, देशबन्धु। कृषि क्षेत्र में इस समय फसल कटाई का दौर अपने चरम पर है, जिसके कारण किसानों को बड़े पैमाने पर डीजल की आवश्यकता पड़ रही है। लेकिन इन दिनों क्षेत्र में डीजल की भारी किल्लत देखी जा रही है। बीती रात इटारसी के नाला मोहल्ला स्थित पेट्रोल पंप पर किसानों की भारी भीड़ जमा हो गई। डोलरिया, सिवनी मालवा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में ईंधन न मिलने के कारण परेशान किसान देर रात डीजल की तलाश में इटारसी पहुंचे थे।

डोलरिया के प्रभावित किसान देवानंदपुरी गोस्वामी ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि डोलरिया क्षेत्र के मिसरोद, धुरपन सहित लगभग चालीस गांवों के किसान इस समय बेहद परेशान हैं। फसल कटाई के इस महत्वपूर्ण समय में डीजल न मिलना उनकी चिंताओं को बढ़ा रहा है। ईंधन की किल्लत की खबर आग की तरह फैल रही है, जिससे किसान रात-दिन पेट्रोल पंपों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। किसान गोस्वामी के अनुसार, इस संकट के कारण न केवल स्थानीय बल्कि नसरूल्लागंज तक के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी डीजल की तलाश में भटकते हुए इटारसी के पेट्रोल पंपों पर देखे गए। नाला मोहल्ला और एल बाबा के पास स्थित पेट्रोल पंपों पर देर रात तक किसानों की कतारें लगी रहीं। फसल कटाई के इस दौर में सरकार के इस नए नियम और सीमित आपूर्ति के कारण आने वाले दिनों में किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। स्थानीय प्रशासन और खाद्य विभाग को इस ओर ध्यान देकर कृषि कार्यों के लिए डीजल की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग उठ रही है।

सांदीपनी विद्यालय निर्माण में भारी देरी से विधायक प्रतिनिधि नाराज, आरटीआई से मांगी जानकारी

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय सांदीपनी विद्यालय के नवीन भवन निर्माण में हो रही अत्यधिक देरी को लेकर विधायक प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला सह-कोषाध्यक्ष दीपक अठोत्रा ने कड़ी नाराजी जताई है।

अनुबंध के अनुसार यह कार्य वर्ष 2023 में ही 18 माह की समय-सीमा के भीतर पूरा हो जाना था, लेकिन निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी पिछले 20-22 महीनों से यह महत्वपूर्ण निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।

आज विधायक प्रतिनिधि श्री अठोत्रा ने उप प्राचार्य उपेंद्र साहू, सुबोध तिवारी और मनीष दुबे के साथ विद्यालय परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सामने आया कि 15 जून से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन भवन का काफी काम अब भी बाकी है और निर्माण की गति बेहद धीमी है। इससे हजारों छात्र-छात्राओं के प्रवेश और पढ़ाई की व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

श्री अठोत्रा ने बताया कि विधायक के निर्देशों और अधिकारियों के साथ हुई कई बैठकों के बावजूद ठेकेदार की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं आया है। उन्होंने इस पूरे मामले में सूचना के अधिकार के तहत लोक निर्माण विभाग से जानकारी मांगी है कि ठेकेदार को कितनी बार एक्सटेंशन दिया, देरी के लिए उस पर क्या पेनाल्टी लगाई और अब तक क्या दंडात्मक कार्रवाई हुई है। विधायक प्रतिनिधि ने मांग की है कि विद्यार्थियों के हित में इस निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए और लापरवाह ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उन पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बार-बार समय सीमा बढ़ाने के बाद भी काम अधूरा रहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

केसला के कास्दारैयत में बने 130 से अधिक सीडबॉल, हुआ वृक्षारोपण

इटारसी, देशबन्धु। पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति से जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर एक सराहनीय पहल की गई है। कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशानुसार, केसला विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत चौकीपुरा के ग्राम कास्दारैयत में सीडबॉल अभियान का आयोजन किया गया।

इस अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत केसला, स्थानीय सरपंच, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा), प्रशिक्षु अधिकारी, सचिव व रोजगार सहायक ने स्व-सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीण जनों के साथ मिलकर इस अनूठी मुहिम में हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर नीम, जामुन, करंजी और महुआ के बीजों को खाद व मिट्टी में मिलाकर 130 से अधिक सीडबॉल (सीट्सबॉल) तैयार किए। इस दौरान ग्रामीणों ने न सिर्फ सीडबॉल बनाए, बल्कि उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण भी किया। अभियान को लेकर स्थानीय निवासियों और महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया।

विधिक जागरूकता शिविर में बालिकाओं को बताए अधिकार

इटारसी, देशबन्धु। मुस्कान बालिका गृह में तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में एक विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रथम जिला न्यायाधीश श्रीमती अनीता खजुरिया ने बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता, बाल संरक्षण कानूनों और जीवन में शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर में बाल श्रम उन्मूलन और बच्चों के सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में मुस्कान बालिका गृह की अधीक्षक श्रीमती सुरेखा धाकड़ ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। शिविर में संस्था की बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं।

मेश सोनकर को मरणोपरांत मिला ग्रेट अशोका अवार्ड

इटारसी, देशबन्धु। रानी दुर्गावती संग्रहालय जबलपुर में अशोक प्रबुद्ध समृद्ध भारत मिशन फाउंडेशन और अखिल भारतीय कुशवाहा संयुक्त महासंघ के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय महान सम्राट अशोक महोत्सव एवं ग्रेट अशोका अवार्ड समारोह में देश भर के लगभग 60 समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी म इटारसी मालवीय गंज, आरएमएस कॉलोनी के समाजसेवी रमेश सोनकर को मरणोपरांत नेशनल ग्रेट अशोका अवार्ड से सम्मानित किया। युवाओं में जन-जागृति, देशभक्ति और सर्वधर्म सद्भाव की भावना बढ़ाने के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान उनके पुत्र राम शंकर सोनकर को सौंपा।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

पिपरिया, देशबन्धु। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह का समापन शासकीय आर एन ए स्कूल खेल मैदान पिपरिया में किया गया।

खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पुलिस अधीक्षक सांई कृष्णा थोटा एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सुश्री उमा पटेल के निर्देशन में 1 मई से किया था। जिसमें खिलाड़ियों को खेलो, सीखो, आगे बढ़ो थीम पर प्रशिक्षण दिया गया। खेल समन्वयक प्रीतम सिंह पुर्विया ने बताया प्रशिक्षण शिविर में खेलों के साथ ही फिटनेस ,व्यक्तिगत विकास एवं सामाजिक जागरूकता पर भी कार्यक्रम किए गए। शिविर में बच्चों ने फुटबॉल, रग्बी , हैंडबॉल एवं ताइक्वांडो खेल की बारीकियां सीखकर अपने खेल कौशल में सुधार किया। अतिथियों ने समापन कार्यक्रम में मैडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

समापन कार्यक्रम में वरिष्ठ खिलाड़ी विजय टिकैत , लायंस क्लब अध्यक्ष मनोज नागोत्रा, श्रीमती नीलम पचौरी, विकासखंड खेल प्रभारी अरविंद शर्मा , आर्किटेक्ट इंजीनियर सोनू मोहता, प्रशिक्षक सचिन शर्मा, अतुल धुर्वे, भरत पटेल , सागर केवट, राहुल अहिरवार , सुजल बेंदेल , कुंअर बहादुर, गोविंद तिवारी उपस्थित रहे।

केसला ब्लॉक में 10 हजार बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

इटारसी, देशबन्धु। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखतवा में पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक इटारसी के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नीलेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस बैठक में स्वास्थ्य, पंचायत, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया और आपस में बेहतर समन्वय बनाने पर चर्चा की। 28 से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान को लेकर एसडीएम ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 5 वर्ष तक के अपने बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलाएं।

केसला के मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस मीना ने बताया कि विकासखंड के सभी गांवों में कुल 246 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं आंगनबाड़ी के 300 वैक्सीनेटरों की मदद से कुल 9 हजार 870 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

चयन कॉलोनी में नई सीसी रोड का भूमिपूजन

इटारसी, देशबन्धु। नगर के वार्ड 34 स्थित चयन कॉलोनी के रहवासियों को जल्द ही जर्जर सड़क की समस्या से मुक्ति मिलेगी। क्षेत्र में सत्या चौधरी के मकान से लेकर मनोहर तिवारी के मकान तक बनने वाली 160 मीटर लंबी सीसी रोड का भूमिपूजन नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया। विधायक निधि से स्वीकृत इस निर्माण कार्य पर लगभग 6 लाख रुपए की लागत आएगी।

भूमिपूजन के दौरान नपाध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि नगर पालिका सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी करने की भी अपील की ताकि सड़क मजबूत और टिकाऊ बने। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक महतो, पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद कलोसिया, विधायक प्रतिनिधि अशोक मालवीय सहित देवेंद्र परिहार, सौरभ मेहरा और बड़ी संख्या में चयन कॉलोनी के रहवासी उपस्थित रहे।

कैडबरी क्रिकेट एकेडमी फाइनल में, अब मुकाबला 14 को

इटारसी, देशबन्धु। आजाद नगर मैदान पर जारी लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में कैडबरी क्रिकेट क्लब ने लक्ष्य क्लब को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

कैडबरी क्लब ने पहले खेलते हुए कुश 64 रन और गौरव 48 रन की मदद से 20 ओवर में 207 रन बनाए। जवाब में लक्ष्य क्लब 20 ओवर में 177 रन ही बना सकी। कैडबरी की ओर से लव दुबे, रोहित यादव और कोच राजीव दुबे ने 2-2 विकेट लिए। अब टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 14 जून रविवार) दोपहर 1 बजे कैडबरी एकेडमी और जीनियस सीनियर क्रिकेट क्लब के बीच खेला जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा होंगे। सेमीफाइनल में मजदूर संघ के प्रीतम तिवारी और राजेश चौबे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। चिकित्सा सुविधा दयाल अस्पताल द्वारा दी जा रही है।

हादसे का अंदेशा: सड़क पर एक ओर वाहन, दूसरी ओर मवेशी

आष्टा, देशबन्धु। पुराना हाईवे रोड पार्वति पुल पर आधी रात को आधी सड़क पर बेसहारा गाय, बछड़े मौत के साये में बैठने पर मजबूर है। इन हर मौसम में सड़क पर ही रैन बसेरा बन चुका है। जैसे तेसे दिन भर घूम कर पेट तो भर लेते है पानी भी मिल जाता है पर विश्राम के लिए कोई जगह न होने के कारण सड़क पर ही हर पल मौत के साये में गुजारना पड़ती है। सड़क पर बैठे रहने के कारण तेज रफ्तार से निकलने वाले वाहनों से हमेशा खतरा बना रहता है। यहीं नहीं इससे पहले दुर्घटना में गाये घायल हो चुकी है वहीं कुछ की मौत भी हो चुकी है। पार्वति पुल पर आधी सड़क पर वाहन खड़े रहते है। दूसरी ओर गायों का जमावड़ा ऐसे में वाहन चालकों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना कर वाहन को निकालना पड़ता है।

ट्रेन से गुम हुई असम की महिला को कुछ ही घंटों में ढूंढकर परिजनों को सौंपा

इटारसी, देशबन्धु। *रामपुर थाना पुलिस की सजगता और त्वरित कार्रवाई से ट्रेन से रास्ता भटकी असम की एक महिला महज कुछ ही घंटों में सुरक्षित अपने परिवार से मिल सकी। परिजनों ने पुलिस की इस तत्परता के लिए दिल से आभार व्यक्त किया है।*

जानकारी के अनुसार, आज सुबह रामपुर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम सनखेड़ा के पास एक अज्ञात महिला घूम रही है, जिसकी भाषा स्थानीय ग्रामीण समझ नहीं पा रहे हैं। सूचना मिलते ही रामपुर थाने के एएसआई अनिल कुमार शर्मा, आरक्षक रवींद्र के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने जब महिला से बातचीत की, तो भाषा की दीवार के कारण शुरुआत में परेशानी आई, लेकिन महिला ने समझदारी दिखाते हुए पुलिस को एक मोबाइल नंबर दिया। पुलिस ने जब उस नंबर पर संपर्क किया, तो वह असम निवासी गोपाल क्षेत्रीय का निकला। उन्होंने बताया कि उनके साथ यात्रा कर रही मायादेवी (गुमशुदा महिला) अचानक कहीं लापता हो गई थीं। अनुमान है कि इटारसी स्टेशन आने से पहले गुर्रा रेलवे स्टेशन पर महिला किसी काम से उतरी होगी और ट्रेन चलने के कारण वहीं छूट गई। इसके बाद वह पैदल चलते हुए सनखेड़ा गांव तक पहुंच गई।

जब पुलिस का फोन परिजनों के पास पहुंचा, तब तक उनकी ट्रेन खंडवा रेलवे स्टेशन तक पहुंच चुकी थी। रामपुर पुलिस ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए परिजनों को खंडवा से वापस बुलाया और कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर महिला मायादेवी को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

विधायक की अनुशंसा पर 3 निर्माण कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधायक की अनुशंसा पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा विधायक निधि से 03 निर्माण कार्यो के लिए 6 लाख 20 हजार 474 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक डॉ सीतासरन शर्मा की अनुशंसा पर नगर के वार्ड क्रं 12 हिंगलाज कालोनी में सार्वजनिक स?थान पर पेवर ब?लॉक के लिए 03 लाख 86 हजार 230 रूपये की प्रशासकीय स?वीकृति जारी की गई है, जिसमें निकाय राशि 01 लाख 86 हजार 230 रूपये शामिल है। इसी प्रकार नर्मदापुरम नगर के वार्ड क्रं. 22 आशुतोष नगर में मालवीय के घर से मेन रोड तक सीमेंट सडक निर्माण के लिए 01 लाख 70 हजार 299 रूपये तथा वार्ड क्रं. 20 प्रताप नगर रसूलिया में दिनेश कुमार तिवारी के घर से श्री सिंह के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण के लिए 63 हजार 945 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें निकाय राशि 13 हजार 945 रूपये शामिल है।

आज कुछ कालोनियों का विद्युत प्रवाह 4घंटे बंद रहेगा

हरदा , देशबन्धु। 33/11 केवी उपकेंद्र हरदा शहर से निर्गमित 11केवी गुप्तेशर मंदिर फीडर का मेंटेनेंस कार्य होने के कारण आज दिनांक 13.06.2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सिविल लाइन,गौर कॉलोनी,मानपुरा, खेड़ीपुरा ,कहारवाड़ी और मांग मोहल्ला,सिविल लाइन आदि कालोनियों का विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता पर जन परामर्श बैठक आज

हरदा , देशबन्धु। समान नागरिक संहिता के लिए प्रदेश सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक समिति के सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री बुधपाल सिंह की अध्यक्षता में 13 जून शनिवार को प्रात: 11 बजे से आयोजित की गई है। यह बैठक पीएमश्री महाविद्यालय हरदा के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में जिला पंचायत हरदा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली जोसेफ ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दायित्व सौंपते हुए आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार बैठक में सांसद, विधायक, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, बार काउंसिल, महिला एवं बाल अधिकार संरक्षण से जु? गणमान्य नागरिक, शांति समिति के सदस्य, सामाजिक संगठन तथा अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा।

कृषि उपज मण्डी में 13 से 15 व 17 जून को नीलामी कार्य बंद रहेगा

हरदा, देशबन्धु। सचिव कृषि उपज मण्डी हरदा ने सभी किसान भाईयों को सूचित किया है कि 13 से 15 जून व 17 जून को कृषि उपज मण्डी में नीलामी कार्य बंद रहेगा। उन्होने बताया कि 13 जून को द्वितीय शनिवार का बैंक अवकाश, 14 जून को रविवार, 15 जून को अमावस्या व 17 जून महाराणा प्रताप जयंती का अवकाश होने के कारण कृषि उपज मण्डी में नीलामी कार्य बंद रहेगा। उन्होने क्षेत्र के किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि वे 13 से 15 जून व 17 जून को अपनी कृषि उपज विक्रय हेतु नहीं लावें।

कलेक्टर ने क्षीरधारा योजना चयनित ग्रामों का किया निरीक्षण

पशुपालकों को उन्नत पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए किया प्रोत्साहित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले के माखननगर विकासखंड अंतर्गत क्षीरधारा योजना के तहत चयनित ग्राम शुक्करवाडा एवं अन्य चयनित क्षीरधारा ग्रामों में संचालित विभागीय गतिविधियों का कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने पशुपालकों से व्यक्तिगत चर्चा कर उन्हें उन्नत पशुपालन अपनाने एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री डेरी प्लस योजना के हितग्राही आकाश यादव एवं आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना की हितग्राही श्रीमती कमलेश यादव से व्यक्तिगत चर्चा कर योजनाओं की प्रगति एवं लाभ के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। हितग्राहियों द्वारा योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्तमान में एक भैंस से प्रतिदिन लगभग 12 लीटर दूध का उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने विभागीय गतिविधियों की सराहना करते हुए अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने विकासखंड के ग्राम जावली स्थित गौशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ग्राम पंचायत सचिव एवं सरपंच को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने गौशाला को प्राप्त होने वाली निधि तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी भी विस्तार पूर्वक ली। कलेक्टर श्री मिश्रा ने इस दौरान निर्देशित किया की गौशाला में निर्धारित संख्या के अनुसार ही गऊवंश को रखा जाए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा गौशाला परिसर के समीप स्थित नर्सरी में आम के पौधे का रोपण भी किया गया।

निरीक्षण के दौरान उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. शैलेंद्र नेमा, नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ वाडिवा, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी सुमित ठाकरे, गौ सेवक मैत्री निधिश दुबे, उद्यानिकी विभाग की उपसंचालक श्रीमती रीता उईके, कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सलिल साहू, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के एडीओ, संबंधित सरपंच-सचिव एवं बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित रहे।

7 वर्ष के आरुष बने प्रदेश के शतरंज बादशाह

नर्मदापुरम, देशबन्धु। इंदौर में आयोजित अंडर 7 राज्य स्तरीय चयन शतरंज प्रतियोगिता जो 10 से 11 जून तक इंदौर पब्लिक स्कूल में खेली जा रही थी, जिसमें 42 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता फीडे नियमों के आधार पर स्विस सिस्टम से क्लासिकल 6 चक्रों में संपन्न हुई । जिसमें आरुष मालाकार ने 6 चक्र में 6 अंक हासिल कर अच्छे अच्छे रेटेड खिलाड़ियों को मात देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आरुष ने 4 वर्ष की उम्र से शतरंज खेलना आरम्भ किया। नेहरू पार्क में प्रशिक्षण भी लिया और हरदा, खंडवा, छिंदवाड़ा, भोपाल, बुरहानपुर आदि स्थानों पर अपनी खेल प्रतिभा आजमाई।प्रदेश शिखर पर पहुंच कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह बनाई। आरुष नागपुर में आयोजित अंडर 7 राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधत्व करेंगे। उनके पिता शांतिलाल मालाकार मम्मी श्रीमती दीपिका मालाकार है। यह जानकारी जिला शतरंज संघ नर्मदा पुरम के अध्यक्ष डॉ ए पी त्रिपाठी ने दी। जिला शतरंज संघ ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिला पंचायत की बैठक में हुई विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित सामान्य सम्मेलन की बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधा सुधीर पटेल ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनोहरलाल पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, जिला पंचायत सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत पिछली बैठक की कार्यवाही के अनुमोदन एवं पालन प्रतिवेदन की समीक्षा से हुई। इसके बाद एजेंडे के अनुसार विभिन्न विभागों की योजनाओं और गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं से अवगत कराया तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। गेहूं उपार्जन व्यवस्था पर चर्चा के दौरान कुछ उपार्जन केंद्रों के स्थान परिवर्तन की आवश्यकता बताई गई। वहीं खाद वितरण व्यवस्था को लेकर सदस्यों ने संतोष व्यक्त किया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि निगरानी एवं नियंत्रण उपायों के कारण खाद की कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगा है।

बैठक में खनिज विभाग को अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सख्ती से नियंत्रण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही रेत खनन एवं परिवहन संबंधी शासन की पूर्व नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने में आ रही समस्याओं एवं उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। आगामी वर्षा ऋतु एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष तैयारियों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जलजनित एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

ग्रामीण पर्यटन कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को रिसॉर्ट संचालन एवं पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बैठक में जिला पंचायत परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय, परियोजना अधिकारी शैलेश ऊके, परियोजना अधिकारी अभिषेक तिवारी, जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, जिला समन्वयक सौरभ शर्मा सहित ग्रामीण विकास, पंचायत, वन, सामाजिक न्याय, कृषि, स्वास्थ्य, खनिज, उद्यानिकी, शिक्षा, लोक निर्माण एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसानों को पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराए जाने कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

हरदा , देशबन्धु। किसानों को पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराए जाने कांग्रेसियों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन तहसीलदार राजेंद्र पंवार को सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी की गई है7जिससे उपभोक्ताओं को केन या बैलर में डीजल देने पर रोक लगाई गई है,उक्त आदेश के बाद डीलरों द्वारा किसानों को केन या बैलर में डीजल देने से मना कर दिया गया है।वर्तमान में मानसून आने वाला है,किसानों को खेत तैयार करना है, मूंग की कटाई चल रही है किसानों के खेतों में ट्रेक्टर एवं हार्वेस्टर चल रहे हैं । ट्रैक्टर की डीजल टंकी अधिकतम 50 लीटर की आती है अगर केन में डीजल नहीं देंगे तो किसान बार बार ट्रैक्टर ले कर हरदा जायेगा । 50 से 60 किलोमीटर वाला किसान ट्रेक्टर से कैसे आएगा। जारी अधिसूचना में लिखा है कि एक ग्राहक को एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल दिया जाएगा जबकि ट्रेक्टर की टंकी 50 लीटर की रहती है इसे में उसे केन में डीजल देना चाहिए ,उपभोक्ता वर्ग को छूट का प्रावधान है इसलिए जिला कांग्रेस आपसे मांग करती है कि हरदा कृषि प्रधान जिला है किसान देश की रीढ़ है इन्हें परेशान ना करे और किसानों को केन अथवा बैलर में डीजल देने की छूट दी जाए। अन्यथा जिले के किसानों के आक्रोश के कारण शहर में हालात बिगड़ने की स्थिति बनेगी ,ज्ञापन सौंपते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहन सांई,राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार हेमंत टाले, किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री रविशंकर शर्मा,,सूरज सिंह राजपूत, बालकृष्ण यादव,लोकेशविश्नोई,ललित विश्नोई,शरद जाणी,हेमंत जाणी, अनुज ,धीरज व विवेक उपस्थित रहे ।

जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

हरदा , देशबन्धु। आगामी मानसून सीजन में संभावित बा? एवं अतिवृष्टि की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन हरदा ने समय रहते तैयारी शुरू कर दी है। कार्यालय कलेक्टर भू-प्रबंधन शाखा हरदा द्वारा कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 81 में जिला स्तरीय बा? नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।यह नियंत्रण कक्ष 15 जून से 24 घंटे लगातार खुला रहेगा।

बारिश से पहले सफाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नगरपालिका अध्यक्ष ने किया नाले का निरीक्षण

नर्मदापुरम , देशबन्धु। विगत दिनों नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा वार्ड क्रमांक 17 में स्थित नारायण नगर नाले का निरीक्षण किया गया था। जहां भारी मात्रा नाले में ऊगी झा?यों से पानी के बहाव में रुकावट आ रही थी। नाला गहरा होने के कारण छोटी पोकलेन चल नहीं पा रही है। उन्होंने नगरपालिका की स्वच्छता टीम को निर्देशित कर ब?ी पोकलेन की व्यवस्था कर नाले की सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्षद सभापति महिमा रोहित गौर, सुरेश श्रीवास और राहुल चौरे भी उपस्थित थे।

स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर में वर्षा पूर्व ब? नाले नालियों का सफाई अभियान जारी है। साथ ही नाले नालियों पर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है। शुक्रवार को नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा नारायण नाले में चल रही ब?ी पोकलेन के कार्य का निरीक्षण किया। नाले में जमा गाद को भी निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने पानी के बहाव का भी जायजा लिया। साथ ही आसपास के लोगों को निर्देशित किया गया कि किसी भी तरह का कचरा नाले नालियों में न डालें। कचरा, कचरा वाहन आने पर ही उसी में डालें। शुक्रवार को ब?ी पोकलेन से करीब 8 ट्राली से अधिक कचरा निकाला गया।

जागरूकता कार्यक्रम में 35 बच्चे ले रहे उपचार

नर्मदापुरम, देशबन्धु। क्लबफुट मुक्त बचपन की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए विश्व क्लबफुट दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल बदुके ने कहा, समय पर उपचार और निरंतर फॉलो-अप से बच्चे का क्लबफुट पूरी तरह से ठीक हो सकता है। जिला शीघ्र हस्तक्षेप संस्था डीईआईसी ने बताया कि आरबीएसके दल द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में क्लबफुट बच्चों की पहचान कर जिला अस्पताल रेफर किया जाता है। आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं को भी पहचान व रेफरल के लिए प्रशिक्षित किया गया है। माता-पिता की नियमित काउंसलिंग से उपचार और फॉलो-अप सुनिश्चित किया जा रहा है। क्लबफुट एक जन्मजात स्थिति है जिसमें बच्चे के पैर जन्म के समय अंदर की ओर मुड़े होते हैं। यह लगभग हर 800 नवजात शिशुओं में से 1 को प्रभावित करती है। समय पर उपचार मिलने पर क्लबफुट वाले बच्चे सामान्य और सक्रिय जीवन जी सकते हैं।

जिला अस्पताल में क्लबफुट के लिए साप्ताहिक क्लिनिक संचालित है। वर्तमान में 35 बच्चे उपचार ले रहे हैं। इन्हें विशेष प्रकार के जूते भी नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरएसबीके के तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में समय पर पहचान व उपचार की सुविधा दी जा रही है। प्रशिक्षित डॉ. अनिल बदुके उपयुक्त विधि से उपचार कर रहे हैं। अनुष्का फाउंडेशन के अभिषेक रैकवार व्यवस्थित फॉलो-अप प्रणाली को मजबूत कर रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ. अनिल बदुके के साथ डॉ. आर.सी. प्रजापति, ट्रामा इंचार्ज, ओटी टेक्निशियन सुयार सिंह खपरे, प्लास्टर टेक्निशियन कृष्णा झरब?, फिजियोथैरेपिस्ट अपेक्षा कानूनगो व डीईआईसी नर्सिंग ऑफिसर मोनिका दास उपस्थित रहे।

उप खण्ड अधिकारी पिपरिया जिला Narmadapuram (नर्मदापुरम) (म.प्र.)

उद्घोषणा

प्रकरण क्रमांक 0452/ब-121/2025-26 (तहसीलदार बनखेड़ी)

1. अजब सिंह पिता चुन्नीलाल मेहरा, ग्राम कोटवार ग्राम बेदर तहसील बनखेड़ी, जिला-नर्मदापुरम म.प्र..... आवेदक

विरुद्ध

1. सर्वसाधारण.....अनावेदकगण

विषय:-अन्य:-विविध ।

आवेदक अजब सिंह पिता चुन्नीलाल मेहरा, ग्राम कोटवार ग्राम बेदर तहसील बनखेड़ी, जिला-नर्मदापुरम म.प्र. के द्वारा मालगुजारों द्वारा दी गई भूमि पर भूमि स्वामी हक प्रदाय करने बावत् विषयक अवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम बेदर स्थित भूमि खसरा नंबर 44, 87, 185 रकबा 2.25, 0.03, 13.09 एकड़ कुल रकबा 15.37 एकड़ भूमि पर भूमि स्वामी हक प्रदाय करने हेतु निवेदन किया है।

अतएव सर्वसाधारण के सूचनार्थ यह प्रकाशित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति है, तो वह प्रकरण में नियत तिथि **15.07.2026** को अथवा उसके पूर्व न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा विधिक अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक **09.06.2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

उप खण्ड अधिकारी पिपरिया
जिला Narmadapuram (नर्मदापुरम) (म.प्र.)

उप खण्ड अधिकारी पिपरिया जिला Narmadapuram (नर्मदापुरम) (म.प्र.)

उद्घोषणा

प्रकरण क्रमांक 0457/ब-121/2025-26 (तहसीलदार बनखेड़ी)

1. माखनलाल पिता कौशल प्रसाद मेहरा, ग्राम कोटवार ग्राम जासरवानी तहसील बनखेड़ी, जिला-नर्मदापुरम म.प्र.....आवेदक

विरुद्ध

1. सर्वसाधारण.....अनावेदकगण

विषय:-अन्य:-विविध ।

आवेदक माखनलाल पिता कौशल प्रसाद मेहरा, ग्राम कोटवार ग्राम जासरवानी तहसील बनखेड़ी, जिला-नर्मदापुरम म.प्र. के द्वारा मालगुजारों द्वारा दी गई भूमि पर भूमि स्वामी हक प्रदाय करने बावत् विषयक अवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम जासरवानी स्थित भूमि खसरा नंबर 56 रकबा 5.52 एकड़ कुल रकबा 7.52 एकड़ भूमि पर भूमि स्वामी हक प्रदाय करने हेतु निवेदन किया है।

अतएव सर्वसाधारण के सूचनार्थ यह प्रकाशित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति है, तो वह प्रकरण में नियत तिथि **15.07.2026** को अथवा उसके पूर्व न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा विधिक अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक **09.06.2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

उप खण्ड अधिकारी पिपरिया
जिला Narmadapuram (नर्मदापुरम) (म.प्र.)

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील बनखेडी, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

जावक क्रमांक- Q रा.प्र.क्र. /0034/अ-6(अ)/2026-27
पेशी दिनांक- 16/06/2026

उद्घोषणा

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि राजस्व मंडल बनखेडी प.ह.नं. 47 मौजा हनोतिया तहसील बनखेडी जिला नर्मदापुरम में स्थित भूमि खसरा नंबर 11, 80/2, 106/2 रकवा क्रमश: 0.721, 1.101, 0.040 हे. जुमला रकबा 1.862 हे. भूमि पर छन्नूलाल आत्मज पन्नूलाल का नाम दर्ज करबाये जाने बाबत आवेदक छन्नूलाल आत्मज पन्नूलाल जाति गौंड निवासी हनोतिया तहसील बनखेडी जिला नर्मदापुरम के द्वारा आवेदन पत्र इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है ।

अत: आवेदन उल्लेखित अनुसार भू-अभिलेखो में दुरुस्ती / संशोधन परिवर्तन की कार्यवाही हेतु इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 16/06/2026 को न्यायालयीन समय में स्थान तहसील कार्यालय बनखेडी में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता, जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिए गये हों, या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन राजस्व प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है 7 नियत पेशी दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 11/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

दिनांक :- 11.06.2026
स्थान :- बनखेडी

सील

राम सिपाही सिंह मसबील नायब तहसीलदार
तहसील - बनखेडी जिला - नर्मदापुरम

श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह एवं कंस वध प्रसंग का वर्णन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिझौतिया भवन, चक्कर रोड में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठवें दिवस पर कथा व्यास पं. भगवतदास (ग्राम आँचलखेड़ा) ने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न दिव्य लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी वर्णन किया।

कथा के दौरान पं. भगवतदास ने श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि सच्ची भक्ति और समर्पण से भगवान अपने भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं। इसके साथ ही अत्याचारी राजा कंस के वध की कथा का वर्णन कर धर्म की विजय एवं अधर्म के विनाश का संदेश दिया। कथा में गोपियों और उद्धव संवाद का मार्मिक प्रसंग भी सुनाया गया, जिसमें गोपियों की अनन्य भक्ति एवं प्रेम की महिमा का वर्णन किया गया। कथा व्यास पं. भगवतदास ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य के जीवन में भक्ति, ज्ञान, वैराग्य एवं सदाचार का उदय होता है। श्रद्धालुजन कथा श्रवण कर भावविभोर हो उठे तथा संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना रहा। यह सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा 13 जून तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा के संरक्षक श्री हनुमान जी हैं। आयोजन का दायित्व रमेश कुमार सोनिया, मनोहर लाल सोनिया, सुभाष कुमार सोनिया एवं समस्त सोनिया परिवार द्वारा निभाया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक /स्वा.शा./ई./2419 बैतूल दिनांक 10.06.2026

ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना
(द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य/ऑफर हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्र.	कार्य/सामग्री का विवरण	कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_514762_1 2nd call	OFFER INVITING TENDER FOR OPERATION AND MIANTENANCE OF PUBLIC TOILET AT GENDA CHOUK SADAR BETUL	1-15 YEAR	1-5000/- 2-50000/-	29.06.2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/nicgep/app की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

(नवनीत पाण्डेय)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल

अभिमत

इस थार के मरुस्थल में उरमूल सीमांत का काम कई मायनों में अनूठा है। हस्तशिल्प कशीदाकारी के साथ टिकाऊ कृषि कार्यक्रम, जैविक खेती, बागवानी, चारागाह विकास कार्यक्रम जारी रखे गए, जिससे समुदायों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल सके। तालाबों को बचाने का भी महत्वपूर्ण और उपयोगी है। यह पूरी पहल उपयोगी व अनुकरणीय है।

मरूभूमि में आत्मनिर्भरता की राह

नवाचार

■ बाबा मायाराम

पश्चिमी राजस्थान का यह इलाका थार का मरुस्थल कहलाता है। यहां की मुख्य आजीविका कृषि और पशुपालन है। इस इलाके में मैं कई बार गया हूं, आज इस यहां की खेती, पशुपालन और आजीविका के बारे में चर्चा करना चाहूंगा, जिससे यह समझा जा सके कि कठिन परिस्थितियों में भी कैसे बेहतर जीवनयापन किया जा सकता है।

इस इलाके में उरमूल सीमांत समिति करीब चार दशक से कार्यरत है। उरमूल यानी उत्तरी राजस्थान मिल्क यूनियन लिमिटेड। 90 के दशक में उरमूल का विकेन्द्रीकरण हुआ। उरमूल ट्रस्ट बना। उरमूल सीमांत समिति नेटवर्क संस्था है। उरमूल की और शाखाएं हैं, पर अब सभी स्वतंत्र ढंग से काम कर रही हैं। विकेन्द्रीकरण की सोच से किया।

उरमूल सीमांत का केन्द्र बज्जू गांव (बीकानेर जिला) में स्थित है। इस संस्था द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, कशीदाकारी, कढ़ाई-बुनाई और स्थायी आजीविका, टिकाऊ कृषि, किचन गार्डन जैसे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

यहां जब मैं पहली बार गया था, तो यह इलाका मैदानी इलाकों से अलग लगा। मरुस्थल यानी शुष्क क्षेत्र। थार के मरुस्थल में दूर-दूर तक रेत के मैदान हैं। रेत के पहाड़ हैं, जिन्हें यहां धोरे कहा जाता है। छोटी कंटीली झाड़ियां हैं। विरल पेड़ पौधे हैं। यहां कम पानी और बहुत गरमी होती है।

यहां मैं संस्था से जुड़ी कई महिलाओं से मिला था, जो कशीदाकारी का काम करती थीं, और उन्हें घर बैठे कुछ कमाई हो जाती थी। उरमूल ने अच्छी डिजाइन से लेकर मार्केटिंग तक की कड़ी जोड़ी है, जिससे सैकड़ों महिलाओं को रोजगार उपलब्ध हुआ है। यह सिलसिला आगे बढ़ रहा है।

यहां के कार्यकर्ताओं ने बताया था कि साल 1991 के आसपास एक दूसरे क्षेत्र में कशीदाकारी का काम शुरू किया गया। उरमूल से जुड़ी प्रेरणा अग्रवाल बताती हैं कि हम कारीगरों को कपड़े देते हैं, धागा और सुई उपलब्ध कराते हैं, उनसे कशीदाकारी करवाते हैं और फिर बाजार में आपूर्ति करते हैं। महिलाओं को उनके काम का मेहनताना मिल जाता है। कशीदाकारी के काम से कई ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हैं। आज यह थार डेजर्ट क्राफ्ट या थार मरूज कला या थारी कशीदाकारी के नाम से देश-दुनिया में विख्यात है।

बाजार की मांग व नित बदलते फैशन के दौर में कशीदा उत्पादों में विविधता बढ़ी। पहले कच्छी भरत व सिंधी टांका ही काम में लिए जाते थे। कढ़ाई के बीच कांच लगाए जाते थे। समय के साथ इसमें बदलाव किया गया।

यहां की प्रेरणा अग्रवाल बताती हैं कि जब कुछ साल पहले कोविड के दौरान तालाबंदी हुई थी, तब होली के बाद का समय था। गांव के लोग खेती-किसानी के काम में लगे हुए थे। हमने तत्काल स्थिति की गंभीरता को समझा और ग्रामीण कार्यकर्ताओं की मदद के लिए टीम बनाई और पहल शुरू की।

वे आगे बताती हैं कि सबसे पहले हमने महिलाओं को मास्क बनाने का प्रशिक्षण दिया। बीकानेर, गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले के गांवों में कई केन्द्र बनाए थे। बुनकरों समूहों से सूत बनवाया, और उस कपड़े से सिलाई प्रशिक्षण केन्द्रों में मास्क तैयार करवाए।

मास्क तैयार करने के लिए महिलाओं की पुरानी साड़ियों का इस्तेमाल किया। नापासर, लूनकरणसर के बुनकरों से कपड़ा खरीदा। कपड़े की डोरियां बनवाईं। इस तरह हमने ढाई-तीन लाख मास्क बनाए। उनमें कढ़ाई व कशीदाकारी भी करवाई। इससे हमारे शिल्प इकाई के कर्मचारियों की आजीविका चली। संस्था से करीब 4-5 हजार कारीगर जुड़े हैं, उन्हें लगातार रोजगार मिला, और मास्क से कोविड-19 से बचाव हुआ।

उरमूल संस्था शिल्प इकाई से जुड़ी कार्यकर्ता बताती है कि इसका अच्छा असर हुआ। साथ ही उन्हें शिल्प इकाई के माध्यम से दुपट्टे रंगाई का काम दिया गया, जिससे उनके हाथ में कुछ पैसा आए। शिल्प इकाई से जुड़ी महिलाओं ने अपने स्तर पर मास्क बनाकर बेचे। रूनिया बड़ावास गांव की गोगा जी और चाड़ासर गांव की रचना जी ने बड़े पैमाने पर मास्क बनाए और बेच कर कुछ कमाई की। गडियाला की नसीम बानो ने सूती दुपट्टों को रंगाई कर बेचा और कुछ पैसे कमाए।

इसी प्रकार, पशुपालन और कृषि यहां की प्रमुख आजीविका है। ऊंट यहां की जीवनरेखा है, किस तरह ऊंटपालकों को मदद की जाए, इसकी कोशिश की जा रही है।

डिजर्ट रिसोर्स सेंटर के अंशुल ओझा बताते हैं कि हम न केवल तत्कालीन राहत का करते हैं बल्कि दीर्घकालीन काम भी किया जा रहा है। इसमें चारागाह विकास कार्यक्रम, शिल्प इकाई, टिकाऊ कृषि, किचन गार्डन व दूध डेयरी की गतिविधियां शामिल हैं।

टिकाऊ कृषि कार्यक्रम के तहत जैविक खेती, केंचुआ खाद, जैव कीटनाशक, राठी नस्ल की दुधारू गायों की देखभाल, पशु आहार, चारागाह विकास, बागवानी (किचन गार्डन) आदि के प्रशिक्षण दिए जाते हैं। इसके अलावा, उरमूल परिसर में कृषि डेमो फार्म भी बनाया गया है, जिसमें केंचुआ खाद, जैव कीटनाशक, फलदार पेड़, बागवानी (किचन गार्डन), गोबर गैस प्लांट, ड्राई सोलर यूनिट, पशु आहार, चारागाह आदि हैं, जिसे देखकर और सीखकर किसान खुद कर सकें। इससे उनकी खेती की लागत भी कम होगी और जमीन की उर्वरा शक्ति भी बनी रहेगी।

इसी प्रकार, उरमूल ने तालाबों को पुनर्जीवित करने और उनका दस्तावेजीकरण करने का अनूठा काम किया है। कुछ वर्ष पहले उन्नति संस्था के साथ मिलकर उरमूल ने तालाबों को बचाने और उनके रखरखाव का दस्तावेजीकरण व जागरूकता का कार्यक्रम चलाया था, जिसमें मैं भी शामिल हुआ था। हमने 5 जिलों के तालाबों का अवलोकन किया था। गांवों में ग्रामीणों से बातचीत की थी। तालाबों के सार-संभाल पर ग्रामीणों की परंपराओं से हम सब प्रभावित हुए थे, जिस पर मैंने कुछ लेख भी लिखे थे।

मुझे यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ था कि हमें एक भी तालाब में गंदगी नहीं मिली। साफ-सुथरे व स्वच्छ तालाब मिले थे। कई तो सैकड़ों साल पुराने तालाब हैं, ग्रामीण इन तालाबों का न केवल पानी पीते हैं, बल्कि इनकी सार-संभाल का जिम्मा खुद उठाते हैं। उन्होंने तालाबों का साफ रखने के कई अलिखित नियम भी बनाए हुए हैं। संस्था ने गांवों में टंकी निर्माण के लिए भी सहायता की है। इस काम में संस्था के सुनील लहरी ने महती भूमिका निभाई है। उन्होंने मुझे कई गांवों में भी घुमाया था, और ग्रामीणों से मिलवाया था। तालाबों के महत्व, सार संभाल, उसके भंडारण के तरीके बताए थे।

कुल मिलाकर, इस थार के मरुस्थल में उरमूल सीमांत का काम कई मायनों में अनूठा है। हस्तशिल्प कशीदाकारी के साथ टिकाऊ कृषि कार्यक्रम, जैविक खेती, बागवानी, चारागाह विकास कार्यक्रम जारी रखे गए, जिससे समुदायों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल सके। तालाबों को बचाने का भी महत्वपूर्ण और उपयोगी है। यह पूरी पहल उपयोगी व अनुकरणीय है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

उरमूल यानी उत्तरी राजस्थान मिल्क यूनियन लिमिटेड। 90 के दशक में उरमूल का विकेन्द्रीकरण हुआ। उरमूल ट्रस्ट बना। उरमूल सीमांत समिति नेटवर्क संस्था है। उरमूल की और शाखाएं हैं, पर अब सभी स्वतंत्र ढंग से काम कर रही हैं। विकेन्द्रीकरण की सोच से किया। उरमूल सीमांत का केन्द्र बज्जू गांव (बीकानेर जिला) में स्थित है। इस संस्था द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, कशीदाकारी, कढ़ाई-बुनाई और स्थायी आजीविका, टिकाऊ कृषि, किचन गार्डन जैसे कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

बीता सप्ताह

6 जून
- एयर मार्शल आशुतोष वायुसेना के नए वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ नियुक्त किया गया है।
- चुनाव प्रक्रिया में सुनवाई पर मद्रास हाईकोर्ट ने सख्त हुआ कहा इससे भारत में आ जाएगी तानाशाही।
- मप्र के बैतूल जिले की एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना भैसदेही को जनजातीय क्षेत्रों में उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया।
- दमदार विकेटकीपर बल्लेबाज के.एस. भरत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया सन्यास।

7 जून
- दिल्ली के जंतर मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया।
- राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति का सदस्य नामित किया गया।
- भारतीय शतरंज के युवा सितारे व ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद नार्वे शतरंज खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने।
- अंतरिक्ष में माइक्रोग्रेविटी से पूरी तरह बदल जाता है तरल पदार्थों का व्यवहार।

8 जून
- तीन महीने में दूसरी बार घरेलु गैस सिलेंडर 29 रूपये महंगा हुआ।
- अदाणी ग्रुप के चेयरमेन गौतम अदाणी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने।
- अयोध्या में राममंदिर की दान पेटी से करोड़ों रूपये की चोरी हो गई।
- पूरी दुनिया की जलवायु व महासागरों के संतुलन को बनाए रखती है क्रामांस्फीयर।

9 जून
- विशाखा पटनम स्टी प्लांट में पिघले हुए लोहे की चपेट में आने से आठ लोगों की मौत हो गई।
- पूर्व जस्टिस मार्केडेय काटजू ने बनाई इश्क करो पार्टी।
- छग के युवा बल्लेबाज आयुष पांडे इंडिया ए टीम में जगह बनाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले क्रिकेटर बने।
- अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने आर्टेमिस-3 मिशन की तैयारियां तेज कर दी है।

10 जून
- धान के बदले दूसरी फसल लगाने पर छग सरकार देगी प्रति एकड़ 15 हजार रूपये।
- मध्यप्रदेश से मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन निरस्त हो गया।
- छग के तीन जवानों कांकेर के पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण केंवट और रामेश्वर देशमुख तथा बालोद के असम राइफल्स के जवान भोजराज साहू को राष्ट्रपति ने शौर्यचक्र से सम्मानित किया।
- पीएम मोदी सबसे लंबे समय कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बने।

11 जून
- ग्लोबल पीस इंडेक्स 2026 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में भारत को शीर्ष 100 देशों में नहीं मिली जगह।
- पाकिस्तानी सेना का एमआई 17 हेलीकॉप्टर पीओके में क्रैश, सभी सैनय कर्मियों की मौत।
- मंगोलिया में फुट एंड मउथ डिजीज का प्रकोप 1200 से अधिक पशुओं को मारा गया।
- फदीम सिन्हा बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के नए चेयरमेन होंगे।

12 जून
- राजनांदगांव (छग) की महक नरवासे का भारत की 19 महिला टीम में चयन।
- होर्मुज के पास पलाऊ के झंडे वाले एमटी सेट्टेबेलों पर हुए हमले में 3 भारतीय की मौत हो गई।
- भारत और नेपाल ने परस्पर डिजीटल वित्तीय संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देने नेपाल में भी यूपीआई चालू किया।
- तारवान ने किया अमेरिका निम्रित हिमार्स लॉन्चर का परीक्षण।

गांधी के मुताबिक : छल-कपट से फिलिस्तीन यहूदियों को नहीं दिया जा सकता

■ विवेकानंद माथने

महात्मा गांधी उस दौर में सक्रिय थे जब फिलिस्तीन का प्रश्न विश्व राजनीति में उभर रहा था। यूरोप में यहूदियों का उत्पीड़न, 'ज़ायोनी आंदोलन' का उदय, फिलिस्तीन में 'यहूदी राष्ट्रीय गृह' की मांग, 'बाल्फोर घोषणा' और बढ़ते यहूदी प्रवास जैसी घटनाएं तेजी से हो रही थीं। गांधीजी के कई निकट सहयोगी यहूदी थे, वहीं भारतीय मुसलमानों और अरब जगत के प्रश्नों से भी उनका गहरा सरोकार था। वे दोनों समुदायों के इतिहास और पीड़ा से परिचित थे और यहूदियों के प्रति सहानुभूति रखते थे, लेकिन फिलिस्तीनी अरबों पर हो रहे अन्याय और औपनिवेशिकता थोपने के सख्त खिलाफ थे।

'प्रथम विश्वयुद्ध' के बाद वैश्विक राजनीति तेजी से बदल रही थी। पराजित 'तुर्क साम्राज्य' (उस्मानी सल्तनत) को विभाजित करने के लिए ब्रिटेन और फ्रांस ने 'सेवर की संधि' की रूपरेखा बनाई, जिसके तहत अरब क्षेत्रों और इस्लामी पवित्र स्थलों को यूरोपीय नियंत्रण में बांटने की योजना थी। इस औपनिवेशिक हस्तक्षेप ने भारतीय मुसलमानों के साथ-साथ महात्मा गांधी को भी गहराई से उद्वेलित कर दिया। गांधीजी ने इसे केवल धार्मिक नहीं, बल्कि साम्राज्यवाद के क्रूर चेहरे और वैश्विक न्याय के हनन के रूप में देखा।

> **'पिछले युद्ध में मुसलमान सैनिकों ने अपना खून इसलिए नहीं बहाया कि वे फिलिस्तीन को मुसलमानी नियंत्रण से बाहर किसी दूसरे को अर्पित कर दें। मैं चाहता हूं कि मेरे यहूदी मित्र भारत के सात करोड़ मुसलमानों की स्थिति पर निष्पक्ष भाव से विचार करें। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते क्या वे अपनी पवित्र मिल्कियत का एक ऐसे ढंग से छीना जाना बर्दाश्त कर सकते हैं जो उनकी दृष्टि में विश्वासघातपूर्ण है?'**

मार्च 1921 में महात्मा गांधी ने लंदन के समाचार पत्र 'डेली हेरॉल्ड' को दिए एक साक्षात्कार में ब्रिटिश सरकार द्वारा मुसलमानों से किए गए वादों से मुकरने और 'सेवर की संधि' के जरिए अरब जगत पर थोपी गई नाइंसाफी की आलोचना की। 'खिलाफत आंदोलन' और फिलिस्तीन के संबंध को रेखांकित करते हुए गांधीजी ने कहा था कि 'खिलाफत मूलत: एक धार्मिक आंदोलन है;' यह आंदोलन सीधे पैगम्बर के निर्देशों से प्रेरणा ग्रहण करता है।' जिन्हें 'अरब के द्वीप' कहा जाता है उन्हें पूरी तरह से केवल मुसलमानों के ही नियंत्रण में रहना चाहिए; उस पर खलीफा की धार्मिक प्रभुसत्ता होनी चाहिए, चाहे फिलहाल खलीफा कोई भी हो।' इस्लाम के अस्तित्व के लिए यह जरूरी है कि ब्रिटेन और फ्रांस को दी गई अधिसत्ता बिलकुल समाप्त कर दी जाये।'

'फिलिस्तीन भी मुसलमानों के नियंत्रण में होना चाहिए।' धर्म या युद्ध का कोई भी फतवा 'मित्र-राष्ट्रों' द्वारा फिलिस्तीन का यहूदियों को सौंपा जाना उचित नहीं सिद्ध कर सकता। यह खास तौर पर भारतीय मुसलमानों के साथ और आमतौर पर समूचे भारत के साथ विश्वासघात करना होगा; यदि युद्ध के प्रारंभ में ब्रिटेन ने ऐसे किसी अधिकार हरण की संभावना की ओर इशारा किया होता तो एक भी भारतीय सिपाही युद्ध में न जाता।' 'प्रथम विश्वयुद्ध' के बाद 'खिलाफत आंदोलन' (1919-1924) के दौरान भारतीय मुसलमान तुर्की के खलीफा और इस्लामी पवित्र स्थलों की स्थिति को लेकर चिंतित थे।

इसी संदर्भ में ब्रिटिश वादों और फिलिस्तीन के भविष्य पर महात्मा गांधी ने 23 मार्च 1921 को 'यंग इंडिया' में लिखा- 'सेवर्स की संधि में जिस परिवर्तन की बात सोची जा रही है, उससे भारतीय मुसलमान संतुष्ट नहीं हो सकते; और इतना कहना काफी कह देना है।' मेरी नम्र राय में, भारत के मुसलमानों की मांगें स्वीकार कर ली जायें' इसके दो कारण हैं। 'खिलाफत' एक आदर्श है और जब कोई व्यक्ति किसी आदर्श को लेकर चलता है तो उसका रास्ता दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। मुसलमान उस आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं और समस्त भारत के सर्वसाधारण का समर्थन उन्हें प्राप्त है।'

गांधीजी ने कहा था कि 'छल-कपट से और नैतिकता के बंधनों को तोड़कर फिलिस्तीन यहूदियों के हाथों में नहीं दिया जा सकता। फिलिस्तीन के सवाल को लेकर तो यह लड़ाई नहीं लड़ी गई थी। ब्रिटिश सरकार एक भी मुसलमान सिपाही से यह कहने का साहस नहीं कर सकती थी कि वह फिलिस्तीन को अपने मुसलमान भाइयों के नियंत्रण से छीनकर यहूदियों को दे देगी। फिलिस्तीन यहूदियों का तीर्थस्थल है, इसलिए उनके लिए यह एक ऐसी भावना की चीज है जिसका आदर करना चाहिए और अगर मुसलमान आदर्शवादी यहूदियों को उतनी ही स्वतंत्रता से पूजन आदि नहीं करने देते जितनी स्वतंत्रता से स्वयं करते हैं तो यहूदियों का शिकायत करना उचित होगा।'

'नैतिकता या युद्ध के परिणामस्वरूप फिलिस्तीन यहूदियों को नहीं सौंपा जा सकता।... अगर 'खिलाफत' के सवाल का न्यायसम्मत निपटारा होता है तो 'जजीरत-उल-अरब' को खलीफा की धार्मिक प्रभुसत्ता के आधीन पूरी तरह से मुसलमानों के नियंत्रण में ही देना होगा।' 'खिलाफत आंदोलन' के दौरान ही दक्षिण अफ्रीका के एक मित्र ने गांधीजी से पूछा था कि 'क्या मुसलमान फिलिस्तीन यहूदियों को वापस कर देंगे?' इसके जवाब में गांधीजी ने 6 अप्रैल 1921 को 'यंग इंडिया' में मुसलमानों के ऐतिहासिक दावे को रेखांकित करते हुए लिखा था- 'मुसलमान दावा करते हैं कि फिलिस्तीन 'जजीरत-उल-अरब' का अविभाज्य अंग है। वे पैगम्बर की आज्ञा के अनुसार उस पर कब्जा बनाये रखने के लिए बाध्य हैं, किन्तु इसका यह अर्थ नहीं है कि यहूदी और ईसाई फिलिस्तीन में बे-रोक टोक आ-जा नहीं सकते या वहां बसकर अचल संपत्ति के स्वामी नहीं हो सकते।' गैर-मुसलमान या यहूदी उस स्थान पर संपूर्ण प्रभुता-संपन्न वह अधिकार प्राप्त नहीं कर सकते, जिस पर धार्मिक विजय के अधिकार से मुसलमानी शक्तियों का सदियों से कब्जा रहा है।'

'पिछले युद्ध में मुसलमान सैनिकों ने अपना खून इसलिए नहीं बहाया कि वे फिलिस्तीन को मुसलमानी नियंत्रण से बाहर किसी दूसरे को अर्पित कर दें। मैं चाहता हूं कि मेरे यहूदी मित्र भारत के सात करोड़ मुसलमानों की स्थिति पर निष्पक्ष भाव से विचार करें। एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते क्या वे अपनी पवित्र मिल्कियत का एक ऐसे ढंग से छीना जाना बर्दाश्त कर सकते हैं जो उनकी दृष्टि में विश्वासघातपूर्ण है?' यहूदियों के प्रति सहानुभूति के बावजूद, महात्मा गांधी का स्पष्ट मानना था कि ऐतिहासिक और नैतिक रूप से फिलिस्तीन पर पहला अधिकार वहां के मूल निवासियों का है और किसी भी बाहरी छल-कपट या औपनिवेशिक दबाव से इसे यहूदियों को नहीं सौंपा जा सकता।

(लेखक 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं।)

घरेलू सोने का उपयोग कर विदेशी मुद्रा बचाने की पेशकश

जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीयों से अपील की कि कम से कम एक साल के लिए भारत में सोने का आयात टाला जा सकता है, तो उन्होंने ऐसा उस बड़ी अनिश्चितता के संदर्भ में किया जिसका सामना देश कर रहा है। यह अपील खासकर मध्य पूर्व में संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने या लगभग बंद होने की वजह से बड़े पैमाने पर आपूर्ति में रुकावटों के कारण की गई। भारत अभी 72 अरब अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से ज़्यादा के सोने का आयात करता है। इसके परिणामस्वरूप व्यापार असंतुलन तेजी से बढ़ गया है। भारत का फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व 700 अरब डॉलर से नीचे गिर गया है और कुल विदेश पूंजी निवेश नगण्य हो गया है। अगर खाद, ईंधन (कच्चा तेल और गैस) और दूसरे ज़रूरी सामान के स्टॉक में और कमी होती है तो कुल रिज़र्व मुश्किल से ही काफ़ी बफर दे पाएगा। अकेले भारत का ईंधन आयात कुल ज़रूरतों का 85 प्रतिशत से ज़्यादा है। समय-समय पर लगने वाले प्रतिबंध और अचानक आने वाली धमकियों से बढ़ते टकराव के हालात ने ईंधन आपूर्ति पर असर डाला है जिससे कच्चे तेल की कीमतें 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास और कभी-कभी उससे भी ज़्यादा बढ़ी हैं। मध्य पूर्व में अभी के शांति प्रयास शायद जल्द कामयाब न हों और इसलिए भारत को ऊर्जा की दूसरी मांगों को पूरा करने के लिए दूसरे रणनीतिक समाधान ढूंढने होंगे।

ए वासुदेवन

> **मध्य पूर्व में अभी के शांति प्रयास शायद जल्द कामयाब न हों और इसलिए भारत को ऊर्जा की दूसरी मांगों को पूरा करने के लिए दूसरे रणनीतिक समाधान ढूंढने होंगे। इस स्थिति को देखते हुए न केवल ईंधन बल्कि सोने और अन्य सामानों के बड़े पैमाने पर आयात पर (मूल्य के हिसाब से) निर्भरता कम करनी ज़रूरी है। सोना ऐसी ही एक चीज़ है।**

इस स्थिति को देखते हुए न केवल ईंधन बल्कि सोने और अन्य सामानों के बड़े पैमाने पर आयात पर (मूल्य के हिसाब से) निर्भरता कम करनी ज़रूरी है। सोना ऐसी ही एक चीज़ है। जहां तक सोने की बात है, भारतीय परिवारों के पास पारंपरिक रूप से आपातकालीन स्थितियों से निपटने, संपत्ति के तौर पर और शादियों जैसे मौकों पर गहनों के रूप में इस्तेमाल करने की ज़रूरत को पूरा करने के लिए सोना होता है।

भारतीय परिवारों के पास सोने का काफ़ी स्टॉक है। फिर भी सोने की मांग इतनी बढ़ रही है कि कुल आयात में इसके आयात का हिस्सा 2013-14 में लगभग 6 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में अनुमानित 9.25 प्रतिशत हो गया है। परिवारों के पास मौजूद सोने के अलावा, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (आरबीआई) के पास भी अप्रैल, 2026 के आंकड़ों के अनुसार 120 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का सोना है। हिंदू, इस्लामी, सिख, ईसाई और बौद्ध धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले धार्मिक संस्थानों, ट्रस्टों, बोर्डों आदि के पास भी सोने का काफ़ी स्टॉक है। कुछ अनुमानों के अनुसार इन संस्थानों के पास 2500 से 4000 टन सोना है।

अप्रैल 2026 में रिजर्व बैंक का गोल्ड रिज़र्व कुल विदेशी मुद्रा रिज़र्व का लगभग 17 प्रतिशत थे। ये मैक्रो-इकानॉमिक स्थिरता लाने में मदद करते हैं और एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा की दरों में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए किया जा सकता है।

अगर घरों में सोने की मांग को पूरा करना है तो एक तरीका हो सकता है कि यह देखा जाए कि क्या धार्मिक संस्थान और ट्रस्ट बिना किसी बड़े नुकसान के इसे पूरा कर सकते हैं। यह कोई नया विचार नहीं है लेकिन इस पर अमल किया जा सकता है क्योंकि इन संस्थानों को ऐसे लोग चलाते हैं जो किसी भी अन्य नागरिक की तरह ही सामाजिक और राष्ट्रीय हितों के प्रति जागरूक हैं। इसलिए भारत सरकार इन संस्थानों को 1 औंस (1 औंस लगभग 28.35 ग्राम), 2 औंस और 5 औंस के सोने के सिक्के और 10 औंस की टिकिया (टैबलेट) जारी करने और उन्हें व्यक्तियों/छोटे व्यापारियों को एक निश्चित सीमा तक (जैसे प्रति खरीदार 'प्रति दिन' 20 औंस से अधिक नहीं, साथ ही खरीदारों के पैन नंबर के साथ बिक्री का विवरण आयकर कार्यालयों को भेजे जाने के निर्देश के साथ) बेचने के लिए मना सकती है। औंस वजन या आयतन मापने की एक इकाई है जो मुख्य रूप से अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में प्रचलित है। इसमें एक बायबैक (वापस खरीदने) का विकल्प भी हो सकता है जिसकी कीमत एक साल बाद कीमती धातुओं या किसी प्रमुख विदेशी मुद्रा के फ़्यूचर मार्केट्स से तय की जा सकती है। इसके अलावा ये संस्थान, रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया को बायबैक विकल्प के साथ सोने की छड़ें (गोल्ड बार) बेच सकते हैं जिसमें यह शर्त हो कि इस विकल्प का इस्तेमाल दो साल की अवधि के बाद किया जाएगा। हालांकि बिक्री की मात्रा प्रत्येक संस्थान के पास मौजूद कुल सोने के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर इस समझौते को और दो साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

इन संस्थानों से होने वाली कमाई का इस्तेमाल पहले की तरह ही शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, प्रिंट या डिजिटल किताबों वाली पब्लिक लाइब्रेरी और दूसरे सामाजिक कामों के लिए किया जा सकता है। इससे भी ज़्यादा फ़ायदेमंद यह होगा कि कमाई का एक बड़ा हिस्सा (जैसे कुल कमाई का 75-80 प्रश) टेक्नालॉजी और साइंस से जुड़े रिसर्च पर खर्च हो ताकि ऐसा नवाचार अपनाया जाए जिनसे उत्पादकता बढ़ाई जा सके। उदाहरण के लिए नए और अनोखे तरीकों से 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' का इस्तेमाल करने से कई उद्योगों- जैसे वाहन उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, रक्षा और एयरोस्पेस, लेज़र तकनीक, औद्योगिक विनिर्माण इत्यादि में उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सभी नवाचारों का पेटेंट कराया जाएगा और जो लोग इन पेटेंट्स का इस्तेमाल करना चाहेंगे उन्हें इसके लिए कीमत चुकानी होगी। पेटेंट के इस्तेमाल से मिलने वाली रकम को एक तय अनुपात (जैसे 20:80) में उस खास संस्थानों और असल रिसर्चर (या रिसर्च कराने वाली संस्थाओं) के बीच बांटा जाएगा।

ऊपर दिए गए प्रस्ताव में यह बात है कि यह मौजूदा अनिश्चितता से विकास के लिए पैदा हुई मुख्य चुनौती को काफी हद तक हल करता है। सामान्य सकल घरेलू उत्पाद (ग्रास डोमेस्टिक प्रॉडक्ट- जीडीपी) में निवेश लगभग 32 फीसदी है और दुनिया भर में आर्थिक मंदी, बाहरी व्यापार और दूसरी दिक्कतों के मौजूदा हालात में इस अनुपात को और बढ़ाना भले ही विदेशी निवेशकों के लिए टैक्स के नियम आसान हों तो भी अगले 12 महीनों में तो बिल्कुल भी मुमकिन नहीं होगा। जीडीपी में निवेश के अनुपात के आलोक में यह नवाचारों और नई तकनीकी प्रक्रियाओं को अपनाने से संभव हुई उत्पादकता वृद्धि ही है जो काफी हद तक भारत की आर्थिक वृद्धि को सुरक्षित रखना सुनिश्चित करेगी।

(लेखक रिज़र्व बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

अफगानिस्तान के खिलाफ वन डे सीरीज जिताने को बेताब गिल

दोनों देशों के बीच हुए चार वन डे अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत ने तीन मैच जीते और जबकि एक टाई रहा

नई दिल्ली, 12 जून (देशबन्धु)। शुभमन गिल के हौसले शतक जमा रंग में होने और भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में हाल ही में

■ **भारत को रोहित व श्रेयस अय्यर से बड़ी पारी की उम्मीद**

इकलौता क्रिकेट टेस्ट मैच जिताने से बेशक बुलंद होंगे। शुभमन गिल अब भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में शनिवार से शुरू हो रहे तीन वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज के पहले मैच में जीत के साथ आगाज कर बतौर कप्तान पहली वन डे सीरीज भी जिताने को बेताब होंगे। दोनों देशों के बीच अब तक हुए चार वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत ने तीन मैच जीते और जबकि एक टाई रहा है। भारत की कोशिश बेशक अपना दबदबा बनाने की जरूर होगी लेकिन क्रिकेट के दोनों छोटे फॉर्मेट में अफगानिस्तान खासी मजबूत है। ऐसे में मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत इस साल जनवरी में मेहमान न्यूजीलैंड से वड़ोदरा का पहला मैच जीतने के बाद अगले

भारत बनाम अफगानिस्तान वनडे मैच

लगातार दो मैच हार कर तीन वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज 1-2 से हार गया था। इस हार को लेकर तब भारत के कप्तान शुभमन गिल और चीफ कोच गौतम गंभीर की खासी आलोचना हुई थी। 2027में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के लिए सही तैयारियों के मद्देनजर भारत के लिए अफगानिस्तान से यह तीन वन डे मैचों की सीरीज जीतनी बेहद जरूरी है। अब केवल वन डे अंतर्राष्ट्रीय खेल रहे रहे दो सबसे अनुभवी सदाबहार विराट कोहली और रोहित शर्मा के अनुभव की भारत को दक्षिण अफ्रीका में 2027 के वन डे विश्व कप में बेशक बहुत जरूरत होगी और वह चाहेगा कि ये दोनों पूरी तरह फिट रहें। अगले वन डे विश्व कप के शुरू होने तक विराट कोहली भले ही 39 और रोहित शर्मा 40 बरस के हो जाएंगे लेकिन दक्षिण अफ्रीका की तेज और ऐसी पिचें जहां गेंद बहुत मूव होती है उन पर इन दोनों का अनुभव खासा कारगर रहेगा। ऐसे में 2027 के वन डे विश्व कप के लिए भारत की एकादश में इनकी जगह तय मानी जानी चाहिए इसके लिए बेवजह सवाल उठाने की जरूरत नहीं है।

दोनों टीमें आखिरी बार आईसीसी 2023 वन डे क्रिकेट विश्व कप के मैच जब भिड़ी तो तब अभी टीम में शामिल रोहित शर्मा के शतक और इशान और श्रेयस की बड़ी पारियों से भारत ने अफगानिस्तान पर दिल्ली में एकतरफा मैच आठ विकेट से हराया और तब की टीम के पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में हैं।वहीं अफगानिस्तान की टीम में उसके लिए वन डे विश्व कप मे खेलने वाले सात खिलाड़ी मौजूदा टीम में है। विराट कोहली के जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के चलते उपलब्ध नहीं होने पर दिलचस्प यह होगा कि रंग में चल रहे रोहित शर्मा के साथ यशस्वी भारत की पारी का आगाज करते हैं अथवा इशान किशन। भारत के लिए तीसरे नंबर पर उपकप्तान श्रेयस अय्यर, चौथे पर कप्तान शुभमन गिल,पांचवें पर केएल राहुल और फिर ऑलराउंडर वाशिंगटन, नीतिश रेड्डी व हर्ष दुबे, कुलदीप यादव ,अर्शदीप और बाकी तेज गेंदबाजों में कोई एक बल्लेबाजी के लिए उतरेगा।

इतिहास रचने की दहलीज पर रोहित शर्मा, तोड़ेंगे 37 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। रोहित शर्मा को वनडे सीरीज में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। रोहित पहले वनडे मुकाबले में मैदान पर उतरने के साथ ही खास उपलब्धि हासिल कर लेंगे। दरअसल, धर्मशाला के मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ अगर रोहित शर्मा पहला वनडे मुकाबला खेलते हैं, तो वह भारत की ओर से एकदिवसीय क्रिकेट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। रोहित 37 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करेंगे, जो अभी मोहिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है। मोहिंदर ने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे मुकाबला खेला था। वहीं, शनिवार (13 जून) को रोहित की उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें, तो वनडे क्रिकेट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी नीदरलैंड्स के नोलन क्लार्क रहे हैं, जिन्होंने एकदिवसीय मुकाबला 47 साल और 257 दिन की उम्र में खेला था। रोहित ने आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में खेली थी। तीन मुकाबलों की सीरीज में रोहित का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान से फैंस को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। 50 ओवर के फॉर्मेट में रोहित का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है। 3 मुकाबलों में रोहित 75 की औसत और 127 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ 150 रन बना चुके हैं। रोहित इस दौरान एक शतक भी लगा चुके हैं।

भारत व्नन डे टीम

शुभमन गिल (कप्तान),श्रेयस अय्यर(उपकप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन(विकेटकीपर), नीतिश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, हर्ष दुबे।

अफगानिस्तान वन डे टीम

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सादिकउल्लाह अटल, दरवेश रसूली, रहमत शाह, इकरम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुलल्लाह ओमरजइ, राशिद खान, नंगयाल खरोटी, गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल समी, मोहम्मद सलीम।

शनिवार का वन डे मैच : भारत वि अफगानिस्तान (धर्मशाला), दोपहर डेढ़ बजे से।

जीत के साथ दक्षिण कोरिया का आगाज

रोमांचक मुकाबले में चेकिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियांस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ कोरिया ने जीत के साथ की है। रोमांच के भरपूर मुकाबले में टीम ने चेकिया को 2-1 से हराया। साउथ कोरिया ने मैच के दूसरे हाफ में 1-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच के आगाज के साथ ही साउथ कोरिया और चेकिया की टीम को शुरुआत में गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों ही टीमें इस भुनाने में नाकाम रहीं। मैच के 9वें मिनट में साउथ कोरिया के पास मिली फ्री किक से बढ़त बनाने का शानदार मौका था, लेकिन चेकिया के डिफेंस ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। 11वें मिनट में साउथ कोरिया की टीम कॉर्नर का भी फायदा उठाने में नाकाम रही। पहले हाफ में कोरिया ने चेकिया के डिफेंस पर दबाव तो खूब डाला, लेकिन उनके डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। चेकिया कोपहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत से ही चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और टीम को मैच के 59वें मिनट में सफलता हाथ लगी।

फीफा वर्ल्ड कप

लाडिसलाव क्रेजकी ने बेहतरीन हेडर के जरिए शानदार गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 0-1 से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने मैच में शानदार वापसी की। 67वें मिनट में हांग इन बियोम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ओह हियोन ग्यू ने साउथ कोरिया को मुकाबले में लीड दिला दी। मैच में 2-1 की बढ़त बनाने के बाद साउथ कोरिया ने चेकिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए गोल करने का कई बार प्रयास किया, लेकिन साउथ कोरिया के डिफेंस को नहीं भेद सका। अंत में साउथ कोरिया 2-1 से जीत दर्ज करते हुए फीफा विश्व कप 2026 का आगाज जीत के साथ करने में सफल रही।

कोच ब्रूज ने उठाए रेफरी के फैसले पर सवाल

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ अफ्रीका के लिए अच्छी नहीं हुई है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को मेक्सिको के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद साउथ अफ्रीका टीम के मुख्य कोच ह्यूगो ब्रूज ने मैच के दौरान रेफरी के फैसले पर सवाल खड़े किए। मेक्सिको के खिलाफ साउथ अफ्रीका का डिफेंस काफी कमजोर नजर आया। मैच के दौरान साउथ अफ्रीका को 9 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर होना पड़ा। साउथ अफ्रीका टीम के खिलाड़ी स्फेफेलो सिथोले और थेम्बा जवाने को रेड कार्ड थमाया गया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्रूज ने कहा कि पहले रेड कार्ड को लेकर उन्हें कोई शिकायत नहीं है, लेकिन दूसरे रेड कार्ड का फैसला उन्हें सही नहीं लगा। उनका मानना है कि जिस घटना पर उनके खिलाड़ी को बाहर भेजा गया, उसमें वास्तव में मेक्सिकन खिलाड़ी ने फाउल किया था।

अर्जेंटीना ने फीफा पुरुष विश्व रैंकिंग में फिर से टॉप पर जगह बनाई

ज्यूरिख (स्विट्ज़रलैंड), 12 जून (एजेंसियां)। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना (पहला, 2 पॉइंट ऊपर) दुनिया की टॉप रैंक वाली टीम के तौर पर अपने टाइटल डिफेंस की शुरुआत करेगा। जून फीफा/कोका-कोला पुरुष वर्ल्ड रैंकिंग अब तक के सबसे बड़े फीफा वर्ल्ड कप के खत्म होने से कुछ घंटे पहले जारी की जाएगी।

फीफा अ कप से पहले कई फ्रेंडली मैचों के बाद, जिसमें दूसरा पीरियड था जब फीफा/कोका-कोला मेन्स वर्ल्ड रैंकिंग को इंटरनेशनल मैचों के दौरान रियल टाइम में अपडेट किया गया था, अर्जेंटीना आइसलैंड और होंडुरास के खिलाफ अपने दोनों वार्म-अप मैचों में जीत के बाद टॉप पर वापस आ गया। वे फ्रांस (तीसरे, 2 पॉइंट नीचे) की जगह लेंगे, जो कोटे डी आइवर से हारने के बाद पीछे हो गया था, फिर नॉर्दर्न आयरलैंड को हराया, और स्पेन (दूसरे, बिना किसी बदलाव के), जिसे इराक ने ड्रॉ पर रोका और फिर पेरू को हराया। टॉप टेन में और नीचे, मोरक्को (सातवें, 1 ऊपर) अपनी बढ़त जारी रखते हुए, अगस्त 1993 में फीफा/कोका-कोला मेन्स वर्ल्ड रैंकिंग शुरू होने के बाद से अपनी अब तक की सबसे ऊंची जगह पर पहुंच गया है। ऐसा करके, वे नीदरलैंड्स (आठवें , 1 नीचे) से आगे निकल गए, जबकि टॉप 20 में कहीं और, मेक्सिको (14वें, 1 ऊपर) और उरुग्वे (16वें, 1 ऊपर) सेनेगल (15वें, 1 नीचे) और अमेरिका (17वें, 1 नीचे) से ऊपर चले गए, जबकि ईरान (20वें) टॉप 100 में शामिल हो गया। हंगरी (39वें, 3 ऊपर), चिली (51वें, 3 ऊपर) और चीन (91वें, 3 ऊपर) टॉप 100 में सबसे बड़े चढ़ने वाले हैं, जबकि सर्बिया (41वें, 4 नीचे), माली (55वें, 3 नीचे) और बेनिन (93वें, 3 नीचे) में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। टॉप 100

के बाहर, लेबनान (115वें, 7 नीचे) और भूटान (192वें, 6 नीचे) की रैंकिंग में सबसे ज़्यादा गिरावट आई है। कॉम्पिटिशन रेगुलेशन के मुताबिक, फीफा/कोका-कोला मेन्स वर्ल्ड रैंकिंग भी टाईब्रेकर का काम करेगी, ताकि ग्रुप स्टेज के आखिर में दो या उससे ज़्यादा टीमों के ग्रुप में रैंकिंग पक्की हो सके और यह तय हो सके कि स्टेप 1 और 2 में कई बार थर्ड-रैंक 32 क्राइटेरिया को पूरा करने के बाद भी टाई हुई टीम तक पहुंचने के लिए कौन सी आठ टीमें सबसे अच्छी थर्ड-प्लेस्ड टीमें हैं।

सार संक्षेप

ईस्ट दिल्ली राइडर्स रोमांचक जीत के साथ सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने शानदार जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए दिल्ली वंडर्स क्लब को 2 विकेट से हराकर प्रतिष्ठित 51वें अखिल भारतीय गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (पंजीकृत) के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। नॉकआउट चरण का यह मुकाबला अंत तक रोमांच से भरपूर रहा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली वंडर्स क्लब ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट पर 263 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से प्रियांशु पांडेय ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 62 गेंदों में 136 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 11 छक्के शामिल रहे। गगन वत्स ने 59 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जबकि हर्ष त्यागी ने 33 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 19.5 ओवरों में 8 विकेट खोकर 266 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

कोलाज स्पोर्ट्स क्लब सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। कोलाज स्पोर्ट्स क्लब ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए रवि ब्रदर्स को 102 रन से पराजित कर प्रतिष्ठित 51वें अखिल भारतीय गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (पंजीकृत) के सेमीफाइनल में जगह बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलाज स्पोर्ट्स क्लब ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 214 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कप्तान समर्थ सेठ ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 49 गेंदों में 72 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। वहीं स्वास्तिक चिकारा ने शानदार 48 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम के स्कोर को मजबूती दी। रवि ब्रदर्स की ओर से जयंत खोरवाल सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 40 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसके अलावा मयंक गुसाईं, लक्ष्मण, देव कश्यप और विवान जिंदल ने एक-एक विकेट लिया। 215 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रवि ब्रदर्स की टीम कोलाज स्पोर्ट्स क्लब की अनुशासित गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 15.5 ओवर में 112 रन पर ऑल आउट हो गई। शौर्य वीर सिंह ने सर्वाधिक 28 रन, विकेटकीपर विशाल ने 25 रन तथा सुपर सब्स्टीट्यूट आयुष दोसेजा ने 22 रन का योगदान दिया, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी।

पहले के मुकाबले अब क्रिकेट में काफी बदलाव : स्टेन

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि टी20 फॉर्मेट में आप सफल होने से ज्यादा फेल होते हैं। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले अब क्रिकेट काफी बदल चुका है। स्टेन के अनुसार, अब बल्लेबाज को पहले के मुकाबले खराब शॉट खेलकर आउट होने पर खरी-खोटी नहीं सुननी पड़ती है। स्टेन ने एजेंसी के साथ बातचीत करते हुए पहले और अब के समय में क्रिकेट में आए बदलाव को लेकर बात की। विराट कोहली का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके दौर में बल्लेबाज या गेंदबाज हर साल अपने खेल को बेहतर करने का प्रयास करते थे। हालांकि, अब टी20 क्रिकेट के लगातार विकसित होने के बाद खिलाड़ी, टीम मैनेजमेंट या कोच इस बात को समझते हैं कि इस फॉर्मेट में खिलाड़ी सफल होने से ज्यादा फेल होता है। स्टेन ने कहा कि टी20 क्रिकेट में कुछ सीजन आपके लिए अच्छे नहीं रहेंगे, लेकिन कुछ सीजन ऐसे आएंगे जब आप बहुत बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

विश्व कप में बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी होगी: अंजुम

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने कहा है कि टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को ज्यादा अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि टीम की गेंदबाजी मजबूत होने की प्रक्रिया में है, ऐसे में टूर्नामेंट में बल्लेबाजों की भूमिका अहम होगी। अंजुम चोपड़ा ने एजेंसी से खास बातचीत में कहा कि मेरे हिसाब से, इस भारतीय टीम का नेतृत्व बल्लेबाजी करती है। बल्लेबाजों के लड़खड़ाने की कोई गुंजाइश नहीं है। हम टीम में पांच विशेषज्ञ बल्लेबाज खिला रहे हैं। पांच विशेषज्ञ बल्लेबाज होने की स्थिति में असफल होने की कोई गुंजाइश नहीं है।' इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न टी20 सीरीज में यास्तिका भाटिया ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। यास्तिका ने सीरीज में सर्वाधिक 119 रन बनाए, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट (126.79) टॉप पांच स्कोरर में सबसे कम था। इस पर चोपड़ा ने कहा, 'मैं समझती हूं कि भारतीय टीम के पास तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए ज्यादा विकल्प नहीं है। अगर जेमिमा या हरमन वहां बल्लेबाजी कर रही हैं, तो मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी के लिए विकल्प कम हैं। भारती फुलमाली को मौका दिया गया होता, तो बेहतर होता। वह भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गई थी, लेकिन उन्हें वहां नहीं खिलाया गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में पीवी सिंधु करेंगी भारतीय टीम की अगुवाई

क्वालिफिकेशन सूची में सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली 11 जून (एजेंसियां)। अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की। क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी।

देश के लिए खेलने एक सपना था : यशवर्द्धन

ग्वालियर, 12 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत की अंडर-19 टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान यशवर्द्धन सिंह चौहान के हाथों में सौंपी गई है। यशवर्द्धन का कहना है कि देश के लिए खेलना उनका सपना था और यह सपना सच होने पर उन्हें बेहद खुशी है। यशवर्धन ने 'आईएएनएस' के साथ बातचीत करते हुए कहा कि वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच को देना चाहेंगे। यशवर्धन ने बताया कि वह 6-7 साल की उम्र में से ही क्रिकेट की कोचिंग ले रहे थे। उन्होंने कहा कि कोच लवकेश चौधरी की देखरेख में उन्होंने अपने क्रिकेट को निखारा। यशवर्धन के अनुसार, राज्य और एनसीए में अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से उनका सिलेक्शन भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर हुआ है। यशवर्धन ने कहा कि वह आज इस मुकाम तक अपने माता-पिता और कोच के सपोर्ट के कारण पहुंच सके हैं।

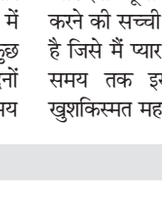

जसपाल राणा का निधन : कोच और खिलाड़ी के तौर पर बेमिसाल रहा कॅरियर

■ **जर्मनी से लौटने के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई थी**

■ **1988 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में जसपाल ने सिल्वर मेडल जीता**

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाजी के दिग्गज और प्रतिष्ठित कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित प्रतियोगिता से लौटने के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खिलाड़ी और कोच, दोनों भूमिकाओं में उन्होंने भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 28 जून 1976 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जन्मे जसपाल राणा को बचपन से ही निशानेबाजी में रुचि थी। जसपाल के पिता सेना के खुद पूर्व अधिकारी थे। ऐसे में पिता नारायण राणा ही उनके पहले कोच बने। 12 साल की उम्र में नेशनल लेवल पर जसपाल ने अपनी काबिलियत का परिचय दिया। 1988 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में जसपाल ने सिल्वर मेडल जीता। इसके बाद 1994 में जूनियर वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा और इटली में हुई इस चैंपियनशिप ने उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का काम किया। जसपाल राणा ने 1996 के अटलांटा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, वह ओलंपिक में पदक जीतने में सफल नहीं हो सके, लेकिन कॉमनवेल्थ खेलों में उनका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने चार कॉमनवेल्थ खेलों में हिस्सा लेते हुए कुल 15 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण पदक शामिल हैं। 2002 के मैनचेस्टर कॉमनवेल्थ खेलों में उन्होंने छह पदक अपने नाम किए। 2006 के दोहा एशियाई खेलों में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीता।

विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को तत्काल प्रभाव से अलविदा कह दिया है। केन विलियमसन के नाम न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का रिकॉर्ड है। संन्यास के साथ ही विलियमसन के 16 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। विलियमसन ने अपना आखिरी टेस्ट लॉर्ड्स में खेला जिसमें न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक बयान में विलियमसन ने कहा, 'मैंने इस बारे में कुछ समय से सोचा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में यह साफ हो गया है कि अब सही समय है। मैंने हमेशा इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए एक मजबूत इच्छा और भूख महसूस की है। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने न्यूजीलैंड के लिए खेले गए हर मैच में अपना सब कुछ दिया है। इससे कम कुछ भी जारी रखना सही नहीं होगा और मैं अपनी शर्तों पर पीछे हटने के लिए खुशकिस्मत महसूस कर रहा हूं।' विलियमसन ने कहा, 'मैं इस बात को लेकर सकारात्मक महसूस कर रहा हूं कि यह ग्रुप कहां जा रहा है। इसमें बहुत सारा टैलेंट है और इस न्यूजीलैंड टीम के साथ कुछ खास करने की सच्ची इच्छा है। यह एक ऐसी टीम है जिसे मैं प्यार करता हूं, और मैं इतने लंबे समय तक इसका हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत महसूस करता हूं।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

मत्स्याखेट पर 16 जून से प्रतिबंध

हरदा , देशबन्धु। मध्यप्रदेश में मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन को ब?ावा देने और जलीय पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ के अधीन इंदिरासागर, मान एवं माही जलाशयों में भी 16 जून से 15 अगस्त तक सभी प्रकार के मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय व मत्स्य विनिमय अथवा मत्स्य परिवहन करना निषेध रहेगा। क्षेत्रीय प्रबन्धक मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ मर्यादित इंदिरासागर जलाशय नर्मदानगर खण्डवा ने बताया कि इन नियमों का उल्लंघन करने पर मध्य प्रदेश राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या 5 हजार रूपये जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाने का प्रावधान है। उन्होने जनसाधारण को सुचित किया है कि इस अवधि में इंदिरासागर, मान एवं माही जलशयों में किसी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन न तो स्वयं करें और न ही अन्य को इस कार्य में सहयोग दें।

स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

जिला चिकित्सालय में साफ सफाई हेतु क्रय की गई आधुनिक मशीनें

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन द्वारा चलाई जा रही ''आधुनिक स्वास्थ्य और आधुनिक हरदा'' की थीम पर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच पी सिह ने बताया कि पूर्व में दो आधुनिक टेक्नालॉजी से सुसज्जित एम्बुलेंस एवं 6 आधुनिक चिकित्सा मशीनें उपलब्ध कराई गई थी एवं रोगीकल्याण समिति के माध्यम से जिला चिकित्सालय हरदा में साफ-सफाई हेतु आधुनिक मशीनें क्रय किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। निर्देशों के परिपालन में जिला चिकित्सालय हरदा में रोगी कल्याण समिति हरदा के द्वारा साफ-सफाई हेतु प्रेशर मशीन, वेक्यूम क्लीनर व फ्लोर क्लीनर आधुनिक मशीन क्रय की गई है, जिससे जिला चिकित्सालय हरदा की साफ-सफाई पहले से बेहतर होगी।

समान नागरिक संहिता के लिये गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्य आज आयेंगे

हरदा, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता को गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्य बुधपाल सिंह 13 जून को हरदा आयेंगे। जारी कार्यक्रम अनुसार श्री सिंह 13 जून को प्रात: 9 बजे बैतूल से हरदा के लिये प्रस्थान कर प्रात: 10:45 बजे हरदा आयेंगे तथा 11 बजे पीएम श्री महाविद्यालय हरदा में आयोजित जन परामर्श बैठक में सम्मिलित होंगे। श्री सिंह दोपहर 1:30 बजे हरदा से नर्मदापुरम् के लिये प्रस्थान करेंगे।

ऑनलाइन योग सत्र से कल जुड़ेगा पूरा विश्व

नर्मदापुरम, देशबन्धु। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कल 14 जून, रविवार को प्रात: 6ः15 बजे से 7ः35 बजे तक ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष योग सत्र गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में सम्मिलित होने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़कर जिले को गौरवान्वित करें। यह ऑनलाइन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रयास भारत एवं विश्वभर के नागरिकों की सहभागिता से आयोजित किया जा रहा है, जिसका आयोजन एमडीएनआईवाई, आयुष मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। योग के इस ऐतिहासिक उत्सव के साथ प्रतिभागी के संकल्प का भी हिस्सा बनेंगे। ऑनलाइन योग सत्र में भाग लेने के लिए इच्छुक प्रतिभागी व्हाट्सएप पर मिस्ड कॉल देकर प्राप्त लिंक के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिभागी नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से भी अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

रोजगार मेला 19 जून को

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल नेशनल अप्रेंटिसशिप रोजगार मेले का आयोजन 19 जून को प्रात: 11 से 4 बजे तक पीएम श्री जयवंती हाक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल में किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में 11 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर बेरोजगार युवक, युवतियों का चयन शैक्षणिक योग्यता के आधार पर किया जाएगा।

एमपीसीए ग्राउंड पर बनेगा अत्याधुनिक पवेलियन, दिसंबर तक पूरा होगा निर्माण

नगर को मिली क्रिकेट मैदान की सौगात

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभाग के क्रिकेट खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। वर्षों से प्रतीक्षित मांग आखिरकार पूरी हो गई। एमपीसीए ग्राउंड नर्मदापुरम में भव्य पवेलियन का निर्माण कार्य विधिवत शुरू हो गया। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के अथक प्रयासों के बाद यह बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

गायत्री मंत्रों के बीच हुआ भूमिपूजन: पवेलियन निर्माण कार्य का भूमिपूजन गायत्री परिवार के अशोक महाराज के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक मौके पर संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल फौजदार, एमपीसीए मैनेजिंग कमेटी मेंबर अनुराग मिश्रा, जिला क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष राजेश चौरे, सचिव मनोहर बिल्थरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगरपालिका के राजेश अत्रे, चयनकर्ता चेतन राजपूत, शफीक खान, नितेश राजपूत, वरिष्ठ सदस्य रामकृष्ण चौरे मौजूद थे। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभाल रही जेठानंद एंड संस कंपनी के ऑनर हर्ष जेठानांदानी एवं पलास जेठानंदानी भी भूमिपूजन में शामिल हुए।

दिसंबर 2026 तक पूरा होगा निर्माण: निर्माण कंपनी के प्रतिनिधियों ने जानकारी दी कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह पवेलियन दिसंबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम, आधुनिक टॉयलेट, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, स्कोरर रूम और ग्राउंड स्टाफ के लिए सुविधाएं शामिल होंगी। उन्होंने एमपीसीए के अध्यक्ष माहार्यमन सिंधिया का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। श्री सिंधिया लगातार संभागीय क्रिकेट के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

संभाग अध्यक्ष ने जताई खुशी: नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल फौजदार ने कहा कि यह शहर के क्रिकेट इतिहास का सुनहरा दिन है। हम लंबे समय से इसका प्रयास कर रहे थे। अब हमारे खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा। उम्मीद है इससे नई प्रतिभाएं निकलकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी।

क्या होगा फायदा: खिलाड़ियों को राहत मैच के दौरान धूप-बारिश से बचाव, सुरक्षित ड्रेसिंग रूम

टूर्नामेंट आयोजन: अब रणजी ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी जैसे बड़े मैचों की मेजबानी संभव, ग्राउंड स्टाफ- उपकरण रखने और देखरेख के लिए स्थायी जगह, दर्शक सुविधा- मैच देखने के लिए शेड और बैठने की व्यवस्था स्थानीय खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में पवेलियन निर्माण शुरू होने से खासा उत्साह है।

खिलाड़ियों की दिक्कतें होंगी खत्म :मिश्रा

एमपीसीए मैनेजिंग कमेटी मेंबर अनुराग मिश्रा ने कहा, फ्नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट के लिए यह मील का पत्थर है। अभी तक ग्राउंड पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। बारिश और धूप में खिलाड़ियों को परेशानी होती थी। पवेलियन बनने से खिलाड़ियों, अंपायर और ग्राउंड स्टाफ की सभी समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। इससे यहां बड़े टूर्नामेंट कराना भी आसान होगा।

मूंग पंजीयन, खाद उपलब्धता और गेहूं भुगतान की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

बनखेड़ी, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी बनखेड़ी द्वारा मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की गई।

सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी के लिए किसानों की गिरदावरी एवं पंजीयन प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराई जाए, ताकि किसान समय पर अपनी उपज बेच सकें। साथ ही किसानों को उचित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि शासन द्वारा उपार्जन केंद्रों पर खरीदे गए गेहूं का भुगतान किसानों को समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने किसानों के हित में इन समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। इस अवसर पर ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

स्वरूपेश्वर महादेव धाम में गूंजे प्रभु के भजन, देर रात तक मंत्रमुग्ध रहे हजारों श्रोता

सोहागपुर, देशबन्धु। समीपवर्ती ग्राम करनपुर स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल स्वरूपेश्वर महादेव धाम में एक भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र की सुप्रसिद्ध भजन मंडलियों द्वारा एक से ब?कर एक संगीतमय प्रस्तुतियां दी गईं, जिसे सुनने और देखने के लिए आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और श्रोतागण मौजूद रहे। कार्यक्रम में हरि मंडल रंधाल, साईं बालिका मंडल फोगारिया बैतूल, श्याम मंडल नगतरा खापा और नगर मंडल दीपाखेड़ा द्वारा भजनों की बेहद सुंदर और भावपूर्ण प्रस्तुतियां दी गईं, जिनकी सुमधुर धुनों पर देर रात तक श्रोतागण मंत्रमुग्ध होकर झूमते रहे। मंच का कुशल संचालन जगदीश आरसे और बी?ी कुशवाहा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिन्होंने अपनी अनूठी शैली से दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। यह गरिमामयी धार्मिक कार्यक्रम सोहागपुर के वरिष्ठ कांग्रेसी एवं समाजसेवी हरगोविंद पूर्वीया के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस विशेष अवसर पर स्वरूपेश्वर महादेव धाम पहुंचे आसपास के सैकड़ों शुभचिंतकों और गणमान्य नागरिकों ने हरगोविंद पूर्वीया को माला पहनाकर और बधाई देकर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सौरभ पूर्वीया और गौरव पूर्वीया द्वारा आयोजन में शामिल हुईं सभी भजन मंडलियों के कलाकारों का शाल और श्रीफल भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया ।

उपभोक्ताओं का सम्मान, पौधरोपण एवं सेवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का स्थापना दिवस मनाया

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के 24वें स्थापना दिवस के अवसर पर बैतूल वृत्त कार्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उच्च दाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं का सम्मान किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक भूपेन्द्र सिंह बघेल, उपमहाप्रबंधक अभय कुमार गोप, दीपक भूसारे, योगेन्द्र चौधरी सहित अन्य अधिकारियों एवं उपभोक्ताओं द्वारा किया गया। स्थापना दिवस समारोह में महाप्रबंधक भूपेन्द्र सिंह बघेल ने उपस्थित उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सम्मानित किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्ठा, समर्पण और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई। साथ ही कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा

पिछले 24 वर्षों में उपभोक्ता हित में किए गए कार्यों की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर उच्च दाब उपभोक्ता वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के प्रतिनिधि राजू जी, मेसर्स भारती एग्रो क्लस्टर के संचालक तथा मुकेश खण्डेलवाल ने कंपनी की उपभोक्ता हितैषी सेवाओं की सराहना करते हुए बेहतर विद्युत सेवाओं के लिए कंपनी को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं ने कार्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अंत में उपमहाप्रबंधक दीपक भूसारे ने उपस्थित उपभोक्ताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्व बाल निषेध दिवस पर संयुक्त जागरूकता अभियान

बाल श्रम पर सख्ती के दिए निर्देश: श्रम निरीक्षक

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विश्व बाल निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला टास्क फोर्स द्वारा शहर में बाल श्रम की पहचान एवं विमुक्ति के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। श्रम विभाग के नेतृत्व में पुलिस, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त दल ने बस स्टैंड, मुख्य बाजार एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों, संस्थानों और आम नागरिकों को बाल श्रम कानून के प्रावधानों से अवगत कराया। स्पष्ट किया गया कि 14 वर्ष तक के बालकों का किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजन पूर्णत: प्रतिबंधित है। वहीं 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों को खनन, ज्वलनशील पदार्थ, विस्फोटक और अन्य परिसंकटमय प्रक्रियाओं

जैसे खतरनाक श्रेणी के कार्यों में लगाना कानूनन अपराध है। श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू ने बताया कि किसी भी संस्थान में बालक का नियोजन तथा किशोर श्रमिकों का खतरनाक उद्योगों में नियोजन संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने चेतावनी दी कि उल्लंघन पाए जाने पर दोषी नियोजक को न्यूनतम छह माह से अधिकतम दो वर्ष तक का कारावास अथवा 20,000 रुपये से 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों दंड दिए जाने का प्रावधान है।

नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण हेतु संशोधित कार्यक्रम जारी

हरदा , देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की तैयारी के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी पुरूषोत्तम कुमार ने जिले के सभी संबंधित रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित समय-सीमा में समस्त कार्यवाही पूर्ण करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाए। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दावा-आपत्ति केन्द्रों पर दावा-आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि अब 15 जून 2026 अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है। दावा-आपत्ति आवेदन पत्रों का निराकरण 25 जून तक किया जाएगा तथा निराकृत प्रकरणों की ईआरएमएस में प्रविष्टि 30 जून तक की जाएगी। इसके बाद दावा-आपत्तियों की चेकलिस्ट 3 जुलाई तक तैयार की जाएगी तथा त्रुटि सुधार उपरांत वेण्डर को चेकलिस्ट 6 जुलाई तक वापस की जाएगी। फोटोयुक्त एवं फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची 9 जुलाई को जनरेट की जाएगी तथा फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची को 10 जुलाई 2026 तक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची की मुद्रित प्रतियां 16 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएंगी। मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची की डीवीडी/सीडी 20 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि विक्रय हेतु प्रतियां 21 जुलाई तक उपलब्ध रहेंगी। सार्वजनिक प्रकाशन के प्रमाण-पत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के लिए भी द्वितीय चरण की समय-सारणी में संशोधन किया गया है। पंचायतों के लिए दावा-आपत्ति केन्द्रों पर दावा-आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 15 जून 2026 अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है। दावा-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 25 जून तथा निराकृत प्रकरणों की ईआरएमएस में प्रविष्टि की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। दावा-आपत्तियों की चेकलिस्ट 3 जुलाई तक तैयार की जाएगी। चेकलिस्ट की जांच एवं त्रुटि सुधार के बाद वेण्डर को 6 जुलाई तक वापस किया जाएगा। फोटोयुक्त एवं फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची 9 जुलाई 2026 को जनरेट होगी तथा फोटो रहित अंतिम मतदाता सूची 10 जुलाई 2026 तक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। पंचायतों की फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची की मुद्रित प्रतियां 16 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएंगी। ग्राम पंचायत एवं अन्य निर्धारित स्थानों पर अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची की पीडीएफ (फोटो सहित एवं फोटो रहित) डीवीडी/सीडी के रूप में 20 जुलाई तक उपलब्ध कराई जाएगी। विक्रय हेतु डीवीडी/सीडी 21 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी तथा सार्वजनिक प्रकाशन का प्रमाण-पत्र स्कैन कर अपलोड करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई नर्धारित की गई है।

हरदा नपा में जनकल्याण शिविर आयोजित, मौके पर ही मिले हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ

18 जून तक जिले में लगेंगे जनकल्याण शिविर, हरदा में हुआ शुभारंभ

हरदा, देशबन्धु। केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिले में 18 जून तक विशेष जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है। शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर लाभान्वित करना।

पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने ग्राम पंचायत रंढाल में आयोजित गतिविधियों में हुए शामिल

नवांकुर अभियान के तहत कलेक्टर ने किया सीड बॉल निर्माण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रंढाल पहुंचकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित नवांकुर अभियान के तहत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को सीड बॉल निर्माण गतिविधि में सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि विश्व पर्यावरण दिवस से प्रारंभ हुए इस अभियान का संचालन कलेक्टर श्री मिश्रा के निर्देशानुसार जिलेभर में किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर सीड बॉल तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें आगामी वर्षा ऋतु में विभिन्न स्थानों पर फैलाकर वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाएगा।

ग्राम पंचायत रंढाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रगति ग्राम संगठन की महिलाओं के साथ बैठकर सीड बॉल तैयार किए। इस अवसर पर आम, नीम, करंज, जामुन एवं महुआ जैसे विभिन्न प्रजातियों के बीजों को मिट्टी एवं जैविक खाद के साथ मिलाकर सीड बॉल बनाए गए। इन सीड बॉल का उपयोग वर्षा ऋतु में अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं हरित आवरण बढ़ाने के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने ग्राम पंचायत परिसर में संचालित गौशाला का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के समय जानकारी दी गई कि गौशाला से निकलने वाले गोबर से जैविक खाद तैयार की जा रही है तथा पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे का संग्रहण भी किया गया है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने गौशाला परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा पक्की नाली निर्माण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला से निकलने वाले गोबर का उपयोग जैविक खाद निर्माण में किया जाना एक सराहनीय एवं पर्यावरण हितैषी पहल है।

विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

बाल श्रम, राष्ट्र की प्रगति में भी एक बढ़ी बाधा है : न्यायाधीश

हरदा , देशबन्धु। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा द्वारा विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के तहत शुक्रवार को शिवम प्रायवेट लिमिटेड, इंडस्ट्रीज एरिया, हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में उपस्थित न्यायाधीश व सचिव चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम को समाज से पूरी तरह मिटाकर हर बच्चे को शिक्षा और सुरक्षित बचपन प्रदान करना है। बाल श्रम न केवल बच्चों के बचपन को छीनता है, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की प्रगति में भी एक ब?ी बाधा है। प्रत्येक बच्चे को गरिमापूर्ण जीवन जीने, शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का कानूनी और मौलिक अधिकार है। बाल एवं किशोर

श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम के तहत बाल मजदूरी करवाना एक दंडनीय अपराध है, और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि कहीं भी बच्चों से मजदूरी कराई जा रही हो, तो उसकी सूचना तुरंत चाईल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें सकते हैं। बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण के लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। शिविर में उपस्थित श्रमिकों को बताया गया कि वे किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्हें बताया गया कि नियमानुसार विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तहसील विधिक सेवा समिति में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है अथवा डाक के माध्यम से विधिक सहायता का आवेदन संबंधित विधिक सेवा संस्थान को प्रेषित किया जा सकता है। साथ ही विधिक सहायता व सलाह के लिए नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होने बताया कि विधिक सहायता व सलाह के लिए ऑनलाईन आवेदन नालसा पोर्टल पर जाकर किया जा सकता है। शिविर में नटवर पटेल, नवनीतलाल पटेल एवं पैरालीगल वॉलेंटियर ज्योति राजपूत, शैफाली घावरी व प्रीति राठौर उपस्थित रहे।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

बैतूल, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन की तैयारियों के तहत कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों के प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय योग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विवेक पांडे तथा डीयू यूनिवर्सिटी दिल्ली के प्राध्यापक सुरेश कुमार गोहे ने योग के महत्व, स्वस्थ जीवन में इसकी भूमिका तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग की बढ़ती स्वीकार्यता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत सूक्ष्म व्यायाम, स्कंध एवं कटि क्रियाएं, बैठकर और लेटकर किए जाने वाले विभिन्न आसन, भस्त्रिका प्राणायाम, अनुलोम-विलोम सहित अन्य निर्धारित योग अभ्यासों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक नर्मदा प्रसाद मिश्रा, विकासखंड योग प्रभारी एवं प्रशिक्षक रंजीत सिंह धुर्वे, मुलताई से प्रज्ञा वर्मा, घोड़ाडोंगरी से त्रिभुवन वर्मा, आठनेर से उमेश चंद्र हुरमाडे, चिचोली से श्रीमती संगीता पवार, आमला से भीमराव देशमुख, भीमपुर से काशीराम बिहारी तथा भैंसदेही से मनीष बारस्कर सहित विभिन्न विकासखंडों के योग प्रशिक्षक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

शासकीय आईटीआई भीमपुर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भीमपुर में वर्ष 2026 के प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड कौशल विकास संचालनालय के अंतर्गत संचालित आईटीआई में इच्छुक छात्र-छात्राएं 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे। वहीं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया 30 जून तक चलेगी। संस्था प्राचार्य ने बताया कि 10वीं पास अभ्यर्थी विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थी संस्थान में उपस्थित होकर सीधे पंजीयन करा सकते हैं, वहीं नजदीकी कियोस्क सेंटर के माध्यम से भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। प्रवेश संबंधी जानकारी विभागीय पोर्टल पर भी प्राप्त की जा सकती है।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर 22 जून से

बैतूल, देशबन्धु। दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र के नवीनीकरण तथा यूडीआईडी कार्ड तैयार करने के उद्देश्य से जिले के सभी 10 विकासखंडों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर 22 जून से 14 जुलाई 2026 तक आयोजित होंगे। कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों को शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में 22 जून को शिविर आयोजित किया जाएगा।

इसी प्रकार जनपद पंचायत भीमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर में 24 जून, जनपद पंचायत शाहपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में 27 जून, जनपद पंचायत भैंसदेही के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 29 जून, जनपद पंचायत चिचोली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 1 जुलाई, जनपद पंचायत आठनेर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर में 4 जुलाई, जनपद पंचायत प्रभात पट्टन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 6 जुलाई, जनपद पंचायत मुलताई के स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में 8 जुलाई, आमला जनपद पंचायत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 10 जुलाई तथा जनपद पंचायत बैतूल के जिला चिकित्सालय में 14 जुलाई को शिविर आयोजित किए जाएंगे।

660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट: एक सौगात जो बन गई अभिशाप

विकास की आड़ में उजड़ते आशियाने और छलावे के शिकार युवा

सारनी, देशबन्धु। जिस सारणी नगर को कभी मध्य प्रदेश के उद्योगों की धड़कन माना जाता था, वहाँ आज एक अजीब सा सन्नाटा और गहरा आक्रोश पसरा हुआ है। सालों के कड़े संघर्ष, जन-आंदोलनों और सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक लड़ी गई लंबी लड़ाई के बाद, सारणी को 660 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट की बहुप्रतीक्षित सौगात तो मिली, लेकिन इसके पीछे छिपी कड़वी हकीकत ने अब स्थानीय युवाओं और व्यापारियों को खून के आंसू रोने पर मजबूर कर दिया है। जिस सुनहरे भविष्य और आर्थिक संपन्नता का सपना देखकर सारणी की जनता ने इस प्रोजेक्ट का स्वागत किया था, आज वही जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जमीनी हकीकत यह है कि यह मेगा प्रोजेक्ट स्थानीय बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर लाने के बजाय, उनके पुश्तैनी आशियाने उजाड़ने का क्रूर सबब बनकर रह गया है। लगभग 10 साल के लंबे और थकाऊ इंतजार के बाद जब क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार का एक सुनहरा मौका दरवाजे पर आया, तब उन्हें ही विकास की मुख्यधारा से बेरहमी से बाहर कर दिया गया। स्थानीय लोगों का सीधा आरोप है कि सरकार और प्रशासन ने इस पावर प्लांट की स्थापना क्षेत्र के विकास या रोजगार सृजन के लिए नहीं, बल्कि केवल अपने राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए की है। यह योजना सिर्फ सत्ताधारी दल के चहेतों और रसूखदारों को लाभ पहुंचाने के लिए है, आम और गरीब बेरोजगार युवाओं के लिए यहाँ सिर्फ कोरे आश्वासनों के सिवाय कुछ नहीं है। सारणी क्षेत्र पहले से ही भयंकर बेरोजगारी और युवाओं के पलायन की मार झेल रहा था। उम्मीद थी कि इस नए और विशाल प्लांट के शुरू होने से पलायन का यह दर्दनाक सिलसिला थमेगा, लेकिन अब स्थिति सुधरने के बजाय बद से बदतर होती दिख रही है।

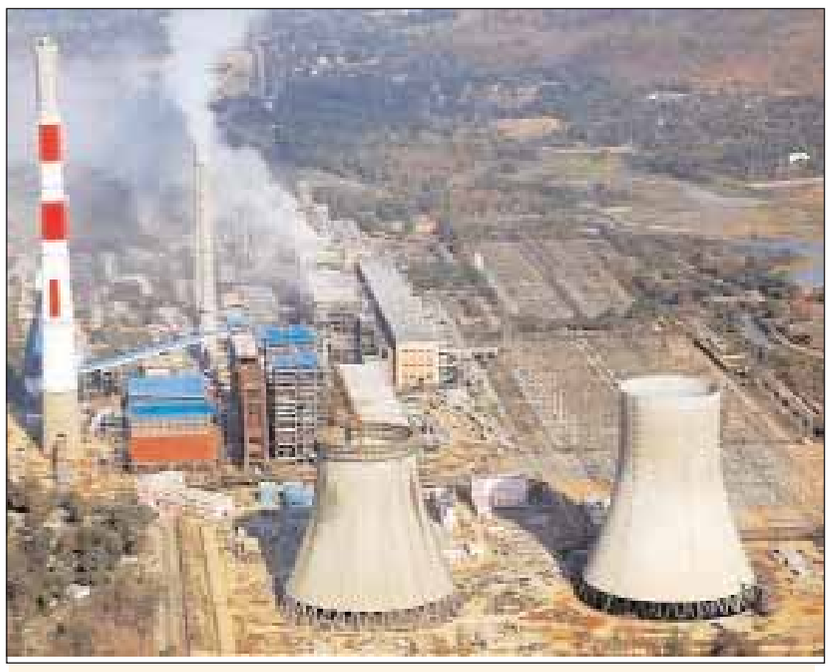

सुलग रही है जन-आंदोलन की चिंगारी

सारणी के युवाओं की मेहनत रंग तो लाई, लेकिन विकास की वह रोशनी उनके अपने घरों तक पहुँचने से पहले ही बुझा दी गई। यह स्थिति एक टाइम बम की तरह टिक-टिक कर रही है। यदि समय रहते शासन-प्रशासन ने नींद से जागकर स्थानीय युवाओं को रोजगार में उनका वाजिब हक और प्राथमिकता नहीं दी तथा विस्थापन के नाम पर गरीबों को प्रताड़ित करना बंद कर उनके लिए ठोस पुनर्वास नीति नहीं बनाई, तो यह 'सौगात' आने वाले दिनों में एक उग्र और अनियंत्रित जन-आंदोलन का रूप ले लेगी।

विस्थापन का दंश: बिना पुनर्वास के छीनी जा रही छत

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट के निर्माण का काम तो शुरू हो गया है, लेकिन इसके लिए सबसे भारी कीमत उन गरीबों को चुकानी पड़ रही है जो दशकों से यहाँ बसे हैं। प्लांट स्थापित करने की आड़ में प्रशासन द्वारा सालों से बसी छोटी-छोटी गरीब बस्तियों को बेरहमी से उजाड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। एडमिन ऑफिस बनाए जाने के लिए अकाउंट ऑफिस के आसपास अतिक्रमण हटाने के नाम पर यहाँ रहने वाले लोगों को सिविल विभाग द्वारा अंतिम नोटिस थमा दिया गया है। इससे पूरी बस्ती में हड़कंप और दहशत का माहौल है। इससे पहले भी आधा दर्जन बार ऐसे नोटिस दिए जा चुके हैं। सिविल विभाग द्वारा 'सर्विसेज ऑफिस' और 'प्री-असेंबलिंग यार्ड' बनाने की योजना है। सिविल विभाग के अधीक्षण अभियंता अभय गुमास्ता का स्पष्ट कहना है कि यूनिट लगाने की तैयारी के मद्देनजर ही ये नोटिस बांटे जा रहे हैं। घबराए हुए स्थानीय निवासियों ने पूर्व मुख्य अभियंता वीके कैथवार से न्याय की गुहार लगाई थी, लेकिन वहाँ से भी उन्हें निराशा ही हाथ लगी। उन्होंने भी प्लांट बनने से पहले जगह खाली करने का ही फरमान सुनाया। लोगों का दर्द यह है कि वे दशकों से यहाँ रह रहे हैं। बिना किसी मजबूत विस्थापन और पुनर्वास नीति के उनके आशियाने छीने जा रहे हैं। यदि उन्हें विस्थापित भी किया जाता है, तो इस महंगाई के दौर में अपना बना-बनाया घर तोड़कर नया आवास बनाना उनके लिए किसी पहाड़ तोड़ने से कम नहीं होगा।

चरमराता स्थानीय व्यापार और टूटते सपने

सारणी के जिन व्यापारियों ने इस उम्मीद में युवाओं के सुर में सुर मिलाया था कि नया प्लांट आने से बाजार में रौनक लौटेगी और अर्थव्यवस्था को संजीवनी मिलेगी, आज उनका व्यापार भी मंदी की गहरी खाई में गिरता जा रहा है। जब स्थानीय युवाओं के पास रोजगार ही नहीं होगा, तो बाजार में क्रय शक्ति कहाँ से आएगी? ऊपर से पुरानी बस्तियों के बेतरतीब विस्थापन ने स्थानीय व्यापार की रही-सही रीढ़ भी तोड़ दी है।

ग्राहकों का पलायन और आर्थिक तंगी ने व्यापारियों के उन सभी सपनों पर पानी फेर दिया है जो उन्होंने इस प्लांट के मंजूर होने पर देखे थे।

पेसा मोबिलाइजरों ने लंबित वेतन के भुगतान की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

चिचोली, देशबन्धु। पेसा मोबिलाइजरों ने अपनी सेवा बहाली एवं आठ माह से लंबित वेतन के भुगतान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जनपद पंचायत कार्यालय में जनपद प्रभारी सीईओ दिनेश चौहान को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि पंचायत राज संचालनालय भोपाल द्वारा जारी पत्र क्रमांक 8448/प.रा./2026 दिनांक 8 मई 2026 के माध्यम से ग्राम पंचायतों में कार्यरत पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस निर्णय से पेसा मोबिलाइजरों एवं उनके परिवारों के सामने आर्थिक एवं सामाजिक संकट उत्पन्न हो गया है। साथ ही यह निर्णय पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्राम सभाओं के सशक्तिकरण की प्रक्रिया को भी प्रभावित करेगा। पेसा मोबिलाइजरों ने बताया कि उन्होंने आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों के बीच कार्य करते हुए ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, ग्रामीणों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने तथा शासन और ग्राम सभाओं के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सेवा समाप्त होने से जहां रोजगार का संकट खड़ा हो गया है, वहीं पिछले आठ माह से वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। मोबिलाइजरों ने मुख्यमंत्री से सेवा बहाली, लंबित वेतन का शीघ्र भुगतान तथा भविष्य में रोजगार सुरक्षा के लिए ठोस नीति बनाए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में पेसा मोबिलाइजर, ग्राम सभा अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे। इनमें डोमा सिंह कुमरे, अंतिराम उइके, तुलसीराम सलामे, मुना उइके, राजकुमार उइके, मजन धुर्वे, सुरभा सिंह, राजीव धुर्वे, कल्लू धुर्वे, गानीराम उइके, नीलू सलामे, ममता वटके, संतोष मर्सकोले, बंशीलाल उइके, सुक्कन उइके सहित अन्य पेसा एक्ट मोबिलाइजर शामिल रहे।

दुनावा में जनकल्याण निवारण शिविर का आयोजन

मुलताई, देशबन्धु। जन कल्याण शिविर सरकार द्वारा आयोजित जन सहायता शिविर है। जिसका उद्देश्य कल्याणकारी योजना और शिकायत निवारण को जमीनी स्तर तक पहुंचना है। इन शिविरों में नागरिक योजनाओं के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। दस्तावेजों को अपडेट कर सकते हैं (जैसे ई केवाईसी) और प्रशासनिक समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर कर सकते हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को सेक्टर मुख्यालय ग्राम पंचायत दुनावा में, जनकल्याण निवारण कलस्टर स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत दुनावा, भैसादंड, चिखलीकला ,घाटपिपरिया कपासिया , लेंदागोदी , मायावाड़ी, रिधोरा, सर्राई, सिपावा,और सोने गांव सम्मिलित हुए। शिविर में एसडीएम मुलताई , तहसीलदार मुलताई , जनपद पंचायत सीईओ , नोडल अधिकारी गौतम जी,जनपद सदस्य बबीता हीरेंद्र उपराले, ग्राम पंचायत दुनावा सरपंच नीलम पलाश पलाश कड़वे, एवं दुनावा सेक्टर के सभी ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित थे।

मजदूरों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा

किसान संघर्ष समिति की पंचायत संपन्न

मुलताई, देशबन्धु। किसान संघर्ष समिति द्वारा आयोजित 342वीं किसान पंचायत राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंचायत में विभिन्न राज्यों से आए किसान नेताओं ने सी-2+50 प्रतिशत फार्मूले के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी एवं सरकारी खरीद सुनिश्चित करने, ?20,000 करोड़ के कथित एफसीआई साइलो घोटाले, नर्मदा घाटी, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, पंजाब और हरियाणा के किसानों-मजदूरों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। किसान पंचायत में राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने वाले मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का विरोध, न्यूनतम मजदूरी, रोजगार का अधिकार, व्यापक कर्जमाफी, चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) एवं वी.बी. ग्रामजी अधिनियम 2025 की वापसी, बिजली के निजीकरण, बीज विधेयक के विरोध तथा भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (एलएआरआर एक्ट) के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर भी विचार व्यक्त किए गए। किसान पंचायत को संबोधित करते हुए डॉ. सुनीलम ने कहा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी किसानों की चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। सभी सरकारों ने किसानों के कल्याण के दावे किए, लेकिन खेती लगातार घाटे का सौदा बनती गई। कृषि लागत और महंगाई में जिस अनुपात में वृद्धि हुई, उस अनुपात में कृषि उत्पादों के दाम नहीं बढ़े। परिणामस्वरूप किसान लगातार कर्ज के बोझ तले दबता गया। इसलिए किसानों की कर्जमुक्ति, एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसान पेंशन और भूमि अधिग्रहण के मुद्दे संयुक्त किसान मोर्चा के लिए सबसे महत्वपूर्ण बन गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करने, भंडारण व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने, बीज विधेयक तथा बिजली विधेयक जैसे कदमों से किसानों का संकट और गहरा गया है।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

श्रीमद् भागवत कथा का समापन, कथावाचक किया वृक्षारोपण

मुलताई, देशबन्धु। मेला ग्राउंड पर गत 7 दिनों से प्रसिद्ध कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन, चल रही थी, जिसका समापन आज विशाल भंडारे के साथ किया गया।

कथावाचक ने विधि विधान से मां ताप्ती के पवित्र सरोवर में स्नान कर मां ताप्ती का आशीर्वाद लिया और फिर मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश दुनिया की समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मंदिर परिसर में पंडित सौरभ जोशी ने देवकीनंदन ठाकुर को मा ताप्ती के धार्मिक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुलताई को मां ताप्ती का उद्गम स्थल होने का गौरव प्राप्त है ,और यहां दर्शन पूजन का विशेष महत्व है। इसके बाद देवकीनंदन ठाकुर तपेश्वर मंदिर पहुंचे ,जहां उन्होंने भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजन किया। धार्मिक कार्यक्रमों की इसी श्रृंखला में उन्होंने पटेल वार्ड में निर्मानाधीन एक शिव मंदिर का भी भ्रमण किया। यहां उन्होंने मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि, धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति संरक्षण भी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण के दौरान स्थानीय श्रद्धालुओं और आयोजन समिति के सदस्य भी मौजूद रहे ।इस कार्यक्रमों के बाद कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर कथा स्थल पहुंचे और श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन के प्रवचन प्रारंभ किया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, और पूरा परिसर भक्ति मय वातावरण से ओतप्रोत रहा। अंतिम दिन कथा श्रवण के लिए विशेष भीड़ पहुंची और कथा वाचन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

जमीन का सर्वे और फिर से नपाई कर, सुरक्षित रखने की मांग

जन आंदोलन मंच के कार्यकर्ताओं ने नारद टेकड़ी बचाने दिया ज्ञापन

मुलताई, देशबन्धु। जब से (ईदगाह) नारद टेकड़ी की जमीन को कुछ लोगों द्वारा, बेचने खरीदने का मामला सामने आया है, तब से सामाजिक और धार्मिक संगठन इसे यथावत रखने के लिए, उक्त जमीन को बेचने वालों के विरोध में खड़े हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज जन आंदोलन मंच के सदस्यों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंप कर विरोध जताते हुए, नारद टेकरी (जो मुस्लिम समाज की ईदगाह भी है) को बचाने का विज्ञापन सौंपा। इससे पहले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी ज्ञापन सौंप कर उक्त जमीन का सर्वे और फिर से नपाई कर, सुरक्षित रखने की मांग भी की है। नगर में चर्चा है कि कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए इस जमीन को बेच रहे हैं। तब से यह मुद्दा नगर में गरमाया हुआ है। हालांकि इस टेकड़ी की ऊंचाई पर मुस्लिम समुदाय की ईदगाह बनी हुई है, जहां पर मुस्लिम समुदाय के लोग बरसों से ईद की नमाज अदा करते हुए आ रहे हैं। लेकिन टेकड़ी के आजू-बाजू कुछ जमीनों के खरीदी बिक्री और जमीन बेचने की जन चर्चा है। यह जमीन बेचने वालों का नाम,लेने वालो का नाम,बेचने का उद्देश्य, यह जमीन किसकी है, और किस उद्देश्य से इसकी खरीदी बिक्री की जा रही है, इसका पूरा खुलासा सार्वजनिक होना चाहिए । धार्मिक संगठनों द्वारा शासकीय स्तर पर ज्ञापन सौंपने का सिलसिला जारी है। इसी तरह आज जन आंदोलन मंच के सदस्यों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सोपा और इसे बचाने की और क्रय विक्रय खरीदने की प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में लोकेश रवि यादव अधिवक्ता, अजेंद्र सिंह परिहार, मयंक पाठक, रजत पवार, नितिन पवार, शुभम शिवहरे, आदि उपस्थित थे।

बारिश से पहले विभाग में रखरखाव किया

विद्युत सुधार कार्य से किसानों को मिली राहत

बैतूल, देशबन्धु। जनकल्याण शिविर के अंतर्गत मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के आमला ग्रामीण वितरण केंद्र द्वारा किसानों की सुरक्षा एवं बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए विशेष सुधार कार्य किए गए। वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम त्रिमहु में 7 किसानों के खेतों से गुजर रही 11 केवी एवं एलटी लाइन के जर्जर एवं झूलते तारों को सुरक्षित बनाने के लिए नया विद्युत पोल स्थापित किया गया। इस कार्य से किसानों को संभावित करंट दुर्घटनाओं से सुरक्षा मिली तथा कृषि पंपों के संचालन में सुविधा सुनिश्चित हुई। इसके साथ ही 63 केवीए क्षमता के एक वितरण ट्रांसफार्मर (डीटीआर) सहित दो झुकी लाइन डीपी के सुधार कार्य भी पूर्ण किए गए, जिससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सके। इस सुधार कार्य से सीधे तौर पर 7 कृषक परिवार लाभान्वित हुए हैं, जबकि संबंधित विद्युत लाइन से जुड़े लगभग 35 से 40 अन्य किसानों को भी बेहतर और सुरक्षित विद्युत सुविधा का लाभ मिलेगा। जनकल्याण शिविर के दौरान विद्युत विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं

पेयजल समस्या पर तत्काल बोर के निर्देश अच्छे कार्य पर एनएनएम की प्रशंसा

कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर दिए समाधान के निर्देश

बैतूल, देशबन्धु। जिले के सभी विकासखंडों में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासकीय योजनाओं में सेचुरेशन लाने के उद्देश्य से क्लस्टर स्तर पर जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने शुक्रवार को बैतूल जनपद के ग्राम टाहली में आयोजित जनकल्याण शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आधार कार्ड बनाने, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं के प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने आधार कार्ड निर्माण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। शिविर में ग्रामीणों द्वारा पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं होने की समस्या उठाए जाने पर कलेक्टर डॉ सोनवणे ने बताया कि ग्राम टाहली को गढ़ा समूह जल प्रदाय परियोजना में शामिल किया गया है, जिससे भविष्य में पर्याप्त पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही तात्कालिक समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल बोर खनन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं।

उन्होंने बुजुर्ग शारदा बाई के फौती नामांतरण प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने तथा माता-पिता के आश्रय से वंचित उनकी पोती की शिक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्रामीण धनराज द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत किए जाने पर संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश पंचायत को दिए गए।उन्होंने राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं विद्युत संबंधी समस्याओं पर भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा वर्षा ऋतु में कीचड़ एवं जलभराव की समस्या बताए जाने पर सीमांकन कराकर सड़क एवं नाली निर्माण कराने के निर्देश पंचायत को दिए गए। ग्रामीण तुलसीबाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की समस्या पर कलेक्टर ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पात्रता के अनुसार समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं भूरा देशमुख की ई-टोकन जनरेट नहीं होने की समस्या का मौके पर ही निराकरण कराया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा व्यवस्थित सर्वे कर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा जाए। ग्राम में विगत दो वर्षों के दौरान एक भी मातृ एवं शिशु मृत्यु का प्रकरण दर्ज नहीं होने पर एएनएम ममता रघुवंशी के समर्पित एवं उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने आंगनवाड़ी केंद्र के संचालन एवं मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने ग्राम में सक्षम स्वयं सहायता समूह का चयन कर मध्यान्ह भोजन संचालन की जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए। साथ ही गंभीर कुपोषित बच्चों को थर्ड मील अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

इंदौर से ब्रिक्स कृषि सहयोग का नया संकल्प; केंद्रीय कृषि मंत्री ने की शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता

छोटे किसानों को सशक्त बनाने पर फोकस

भोपाल/इंदौर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी और स्वच्छता के प्रतीक इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारत की कृषि शक्ति, सांस्कृतिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वसुधैव कुटुंबकम की भावना को आगे बढ़ाते हुए इस मंत्र के साथ दुनिया को एक परिवार मानते हुए शांति, समन्वय और साझेदारी आधारित विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी उपस्थित थे।

अतिथि देवो भव: की भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया और कहा कि भारत हमेशा वैश्विक एकता, शांति और सहयोग का पक्षधर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का दृष्टिकोण युद्ध नहीं शांति, संघर्ष नहीं समन्वय पर आधारित है, जो वैश्विक कृषि साझेदारी के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन सकता है।

उन्होंने कहा कि यह संवाद विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों- जैसे जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव और बाजार की अनिश्चितता का सामूहिक समाधान खोजने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि छोटे किसान मजबूत होते हैं, तो दुनिया की खाद्य सुरक्षा स्वत: सुदृढ़ हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने भारत की कृषि उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में कृषि क्षेत्र में लगभग 4.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। देश का कुल खाद्य उत्पादन बढ़कर लगभग 376 मिलियन टन तक पहुंच गया है। गेहूं उत्पादन 118 मिलियन टन के करीब पहुंचा, जबकि बागवानी उत्पादन 378 मिलियन टन से अधिक हो गया है। मछली उत्पादन भी बढ़कर 19 मिलियन टन से अधिक हो चुका है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम संचालित करता है, जिसके माध्यम से बड़ी आबादी को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने किसानों के योगदान को सराहते हुए कहा कि यह उपलब्धियां उनके कठिन परिश्रम और सरकार की संवेदनशील नीतियों का परिणाम हैं।

श्री चौहान ने कहा कि भारत में लगभग 43 प्रतिशत कार्यबल कृषि से जुड़ा है और यह क्षेत्र न केवल खाद्य सुरक्षा बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाओं- जैसे उन्नत बीज, सिंचाई, तकनीक और किसान सहायता कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि इनसे किसानों को व्यापक लाभ मिला है।

उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत के लगभग 87 प्रतिशत किसान इस श्रेणी में आते हैं और इन्हें सशक्त बनाना ही समावेशी विकास की कुंजी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करोड़ों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया जा रहा है, जबकि किसान क्रेडिट कार्ड और फसल बीमा जैसी योजनाएं किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने मध्य प्रदेश से शुरू किए गए देशव्यापी खेत बचाओ अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके माध्यम से किसानों तक वैज्ञानिक जानकारी और सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, जिससे प्राकृतिक खेती और जैविक इनपुट्स का उपयोग बढ़ रहा है।

उन्होंने ब्रिक्स देशों से अपील की कि सभी मिलकर छोटे किसानों को सशक्त बनाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और सतत कृषि विकास के लिए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संवाद अनुभवों के आदान-प्रदान और नीतिगत सहयोग के माध्यम से वैश्विक कृषि को नई दिशा देगा।

खनिज राजस्व, जिला खनिज निधि और स्थानीय निकायों की भूमिका की हुई समीक्षा

खनिज संपदा से समृद्ध पंचायतों को मिले अधिक भागीदारी, पर्यावरण पुनरुद्धार को मिले प्राथमिकता : पवैया

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने खनिज विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में खनिज संपदा से प्रभावित क्षेत्रों के विकास, स्थानीय निकायों की भागीदारी तथा पर्यावरणीय पुनरुद्धार को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खनिज उत्खनन से प्रभावित पंचायतों को खनिज राजस्व से प्राप्त आय में अधिक प्रभावी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के अवसरों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि स्थानीय समुदायों को विकास का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया ने खनन गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला खनिज निधि के संसाधनों का उपयोग पर्यावरण पुनरुद्धार, हरित आवरण विस्तार, जल संरक्षण तथा पारिस्थितिकी सुधार संबंधी कार्यों को अधिकाधिक किया जाए, जिससे विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

खनिज विभाग के अधिकारियों ने आयोग को राज्य में खनिज राजस्व की वर्तमान स्थिति, राजस्व प्राप्ति के प्रमुख स्रोतों तथा वसूली की प्रगति से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि खनिज क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और इससे प्राप्त राजस्व विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) निधि के गठन, संचालन और वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई। आयोग को बताया गया कि खनिज प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं, सामाजिक विकास तथा जनकल्याणकारी गतिविधियों के लिए जिला खनिज निधि का उपयोग किया जा रहा है। बैठक में खनिज राजस्व के न्यायसंगत उपयोग, प्रभावित समुदायों के हितों की सुरक्षा तथा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में आयोग के सदस्य के.के. सिंह तथा सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।

मप्र में ईएसबी परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी की हो जांच

लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ का लगाया आरोप

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों की सीबीआई या एसआईटी से जांच करने की मांग की है।

दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में सामने आई तकनीकी विफलताओं, टेंडर प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं तथा लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से बेरोजगार युवाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर भर्ती परीक्षाओं के संचालन में गंभीर खामियों और टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जानकारी दी है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार वर्ष 2023 और 2024 में परीक्षा संचालन के लिए जारी निविदाओं में तीन कंपनियों को तकनीकी रूप से पात्र घोषित किया गया, लेकिन दोनों बार टेंडर निरस्त कर दिए गए। बाद में नई निविदा में महत्वपूर्ण शर्तों में बदलाव कर टेंडर एक खास कंपनी को प्रदान किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में ईएसबी द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में तकनीकी समस्याओं के कारण लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक, आर्थिक और समय की भारी क्षति उठानी पड़ी है।

अधिकार क्षेत्र से बाहर दंडात्मक कार्रवाई पर उच्च न्यायालय की रोक

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने कहा है कि कानून जिन शक्तियों को न्यायालय के लिए सुरक्षित रखता है, उनका प्रयोग प्रशासनिक अधिकारी नहीं कर सकते। जिस पर इस सिद्धांत से जुड़े मामले में कथित अवैध कालोनाइजेशन प्रकरण में पारित कलेक्टर एवं एसडीओ के आदेशों के प्रभाव और क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगाई जाती है। एकलपीठ ने मामले में राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यह मामला छिंदवाड़ा निवासी जितेन्द्र चोरे की ओर से दायर किया गया था। जिनकी ओर से अधिवक्ता सौरभ शर्मा व विकास संतू ने पक्ष रखा। जिन्होंने तर्क दिया कि मध्यप्रदेश कालोनी विकास नियम 2021 के तहत अनधिकृत कालोनी के मामलों में निर्माण हटाने तथा डेवलपर व भूमि स्वामी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई का प्राविधान है, जबकि दंड और जुर्माना लगाने का अधिकार सक्षम न्यायालय के पास है। याचिका में मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 339-सी का हवाला देते हुए कहा गया कि अवैध कालोनाइजेशन के अपराध में सजा और अर्थदंड न्यायालय द्वारा ही निर्धारित किए जा सकते हैं। ऐसे में कलेक्टर और एसडीओं द्वारा की गई कार्रवाई अधिकार क्षेत्र से परे है। याचिकाकर्ता ने इसी प्रकार के पूर्व प्रकरण में दी गई अंतरिम राहत का भी उल्लेख किया। जिसके बाद न्यायालय ने अंतरिम राहत प्रदान करते हुए विवादित आदेशों के प्रभाव और संचालन पर रोक लगा दी।

राज्यसभा चुनाव: तीनों प्रत्याक्षियों के निर्विरोध जीतने पर भाजपा ने मनाया विजय उत्सव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर राज्यसभा के तीनों नवनिर्वाचित सांसदों के विजय उत्सव में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं व नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद श्री रजनीश अग्रवाल एवं श्री महेश केवट का मुंह मीठा कराकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन में अपराध की जानकारी छिपाना कांग्रेस का पूर्व नियोजित षड्यंत्र है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में संभावित हार से बचने और भाजपा को बदनाम करने के लिए नामांकन में जानबूझकर गलती की थी। कांग्रेस के नेता नहीं चाहते थे कि मीनाक्षी नटराजन राज्यसभा में पहुंचें, इसलिए जानबूझकर नामांकन पत्र में अपराध की जानकारी छिपाई गई। कांग्रेस को अपने नेता-कार्यकर्ताओं व जनता पर भी भरोसा नहीं है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि राज्यसभा के निर्वाचन में सत्य की जीत हुई है। निर्वाचन अधिकारी ने अपराध की जानकारी छिपाने की जिस गलती के कारण कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन निरस्त किया था, आज सर्वोच्च न्यायालय ने भी उस पर मुहर लगा दी है। कांग्रेस पार्टी भाजपा को बदनाम करने और अपनी हार को छिपाने के लिए गलत आरोप लगा रही है। कांग्रेस का झूठ और राजनीतिक षड्यंत्र राज्यसभा के चुनाव में फिर उजागर हो गया है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत व संगठन शक्ति से भाजपा का विजय अभियान जारी है। भाजपा ने मध्यप्रदेश की राज्यसभा की तीनों सीट विजय प्राप्त कर फिर एक बार इतिहास रचा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री करण सिंह वर्मा, इंदर सिंह परमार, कृष्णा गौर, मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन के अध्यक्ष संजय नगायच, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नंदिता पाठक, सुरेन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, सुश्री राजो मालवीय, सांसद श्रीमती माया नारोलिया, दर्शन सिंह चौधरी, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, महापौर मालती राय, पूर्व सांसद आलोक संजर, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री कृष्णा गौर ने बोला विपक्ष पर हमला

कांगेस महिला विरोधी, इसलिए रद्द हुआ मीनाक्षी का पर्चा

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी व उसके नेताओं की महिला विरोधी नीतियों के कारण मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त हुआ। कांग्रेस नेता एक महिला को राज्यसभा नहीं जाने देना चाहते थे, इस कारण कांग्रेस नेताओं ने षड्यंत्रपूर्वक मीनाक्षी नटराजन के नामांकन में सच को छिपाया, ताकि उनका नामांकन निरस्त हो सके उन्होंने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होना कांग्रेस की महिला विरोधी नीतियों का स्पष्ट प्रमाण है। महिला सम्मान की बात करने वाली कांग्रेस अपने गिरेबां में झांके।

कांग्रेस ने अपनी पार्टी की ही एक नहीं दो महिला कार्यकर्ताओं के साथ छल किया है। पहली तेलंगाना की वह महिला है, जिसको कांग्रेस के एक नेता ने प्रताड़ित किया लेकिन तेलंगाना की सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। तेलंगाना की उसी महिला ने मीनाक्षी नटराजन से शिकायत की थी, लेकिन मीनाक्षी ने भी महिला कार्यकर्ता को प्रताति करने वाले कांग्रेस नेता पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। उसी महिला की याचिका पर तेलंगाना की अदालत ने मीनाक्षी को भी आरोपी बनाया है। दूसरी महिला खुद मीनाक्षी नटराजन हैं, जिनका कांग्रेस नेताओं ने षड्यंत्रपूर्वक नामांकन निरस्त करा दिया। कांग्रेस नेता नहीं चाहते थे कि एक महिला राज्यसभा पहुंचे, इसलिए षड्यंत्र कर नटराजन के शपथ-पत्र में जानकारी छिपाई थी। भारतीय जनता पार्टी हमेशा से निर्वाचन की संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करती आ रही है। इस अवसर पर पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नंदिता पाठक, प्रदेश मंत्री सुश्री राजो मालवीय, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती मंजरी जैन, मीडिया पैनलिस्ट श्रीमती गुंजन चौकसे एवं श्रीमती नमिता अग्रवाल उपस्थित रहीं।

भाजपा आधी आबादी का संबल बनी हुई है

श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी महिलाओं के सम्मान व अधिकारों की बात नहीं की। देश की आधी आबादी के लिए कांग्रेस पार्टी ने कभी कुछ नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी देश की आधी आबादी का संबल बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण का कार्य कर रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दूध का दूध, पानी का पानी कर दिया है। प्रधानमंत्री ने देश की आधी आबादी को देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में भागीदारी बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने नारी शक्ति वंदन कानून लाए हैं। कांगेस पार्टी ने महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ने न पाए, इसलिए नारी शक्ति वंदन कानून का विरोध किया और उसे लागू नहीं होने दे रही है। झूठ और दिखावे की राजनीति अधिक समय तक नहीं चलती।

उपभोक्ता आयोग के 34 कर्मचारियों को स्थायी कर्मी का दर्जा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय लेते हुए राज्य एवं जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोगों में कार्यरत 34 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी का दर्जा प्रदान करने की अनुमति दे दी है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत के विशेष प्रयासों से लिए गए इस निर्णय से वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों को स्थायित्व, सेवा सुरक्षा तथा विभिन्न शासकीय सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि इस निर्णय के तहत राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग एवं जिला आयोगों में कार्यरत 29 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तथा 5 ऑफिस मोहर्रिर-सह-डिस्पेचर पदों पर कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी के रूप में मान्यता प्रदान की जाएगी। इस संबंध में विभाग द्वारा औपचारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के वर्ष 2016 के परिपत्र के अनुसार 16 मई 2007 के बाद नियुक्त दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी कर्मी का लाभ देने के लिए शासन की पूर्व अनुमति आवश्यक थी। राज्य सरकार ने इस मामले को विशेष परिस्थितियों वाला प्रकरण मानते हुए वन टाइम रिलेक्सेशन प्रदान किया है, जिससे लंबे समय से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि इस प्रस्ताव को 9 जून 2026 को आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई थी।

वरिष्ठ जनों और विभूतियों से मिले भाजपा नेता

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के पूरे होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को भोपाल में विभिन्न क्षेत्रों की महान विभूतियों, वरिष्ठजनों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों से मुलाकात कर संवाद किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने वरिष्ठ समाजसेवी व तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, रिटायर्ड विंग कमांडर विजय प्रसाद, कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी व पूर्व विधायक शैलेन्द्र प्रधान, वरिष्ठ समाजसेवी दीपक शर्मा एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी भावना यादव से उनके निवास पहुंचकर भेंटकर संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी गरीब कल्याण, नारी सम्मान व विकास के पर्याय बन चुके हैं। प्रधानमंत्री भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का कार्य कर रहे है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त जस्टिस आलोक वर्मा, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ व अस्पताल संचालक डॉ. आभा जैन, मंडीदीप इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव अग्रवाल, पांच गुरूद्वारों के अध्यक्ष परमवीर सिंह, वरिष्ठ शिक्षकों एवं साहित्यकार व बाल साहित्य शोध केंद्र के संचालक महेश सक्सेना से मुलाकात कर संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व शक्ति बनकर उभरा है, करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 12 वर्ष सेवा, सुशासन और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वर्णिम काल हैं। प्रधानमंत्री ने 12 वर्षों में देश की तस्वीर बदलने का कार्य किया है।

मीनाक्षी नटराजन की हार के लिए कांग्रेस खुद जिम्मेदार

हैदराबाद, एजेंसी। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन की हार के लिए कांग्रेस पार्टी के भीतर की अंदरूनी साजिशें जिम्मेदार थीं।

रामा राव ने कहा कि उनकी हार के लिए खुद कांग्रेस पार्टी पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस नेतृत्व उन लोगों की पहचान करे जिन्होंने पार्टी के साथ गद्दारी की है। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस इस विवाद में विपक्ष को क्यों घसीटने की कोशिश कर रही है, जबकि इस बात की जांच की जानी चाहिए कि नटराजन के मामले से जुड़े ब्योरे किसने लीक किए। बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर उनके हाल के बयानों के लेकर भी तीखा हमला बोला और उन पर प्रशासनिक मोर्चे पर नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद में मानसून की तैयारियों, कर्मचारियों के कल्याण, सिंगरेनी व आरटीसी रोडवेज श्रमिकों और रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े मुद्दों को हल करने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार अपने कई वादों को पूरा करने में नाकाम रही है और सरकार के कामकाज से जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

नगरीय निकायों में अभियान जारी

क्रेडिट कार्ड आवेदन में देश में दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश

- स्ट्रीट वेंडर्स को तीसरी किस्त के ऋण के अतिरिक्त मिलेगी क्रेडिट कार्ड की सुविधा
- पात्रता एवं आवश्यक अभिलेखों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) के आर्थिक सुदृढ़ीकरण एवं वित्तीय समावेशन के लिए प्रदेश में प्रयास निरंतर जारी हैं। योजना के अंतर्गत क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन पत्र संग्रहण में मध्य प्रदेश ने देश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक क्रेडिट कार्ड आवेदन विभिन्न बैंकों को भेजे जा चुके हैं, जिनमें से बैंकों द्वारा 900 से अधिक आवेदनों का सफलतापूर्वक सत्यापन कर 500 से अधिक क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

योजना अंतर्गत क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा पात्रता मापदंड निर्धारित किए गए हैं। इसमें वे समस्त शहरी पथ विक्रेता पात्र होंगे, जिन्होंने अपने ऋण की द्वितीय किश्त का सफलतापूर्वक पुनर्भुगतान कर दिया है तथा वे तृतीय किश्त के लिए अर्हता रखते हैं। इसके अतिरिक्त, वे वेंडर्स भी इस सुविधा के पात्र होंगे जिन्होंने पूर्व में ही तृतीय किश्त का ऋण प्राप्त कर लिया है— उनका ऋण खाता वर्तमान में सक्रिय हो अथवा पूर्णत: जमा हो चुका हो। आवेदन की तिथि को आवेदक की आयु 21 से 65 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है। यह क्रेडिट कार्ड सुविधा तृतीय किश्त के ऋण के अतिरिक्त देय होगी, जिससे हितग्राही अपनी पात्रता एवं प्राथमिकता के आधार पर ऋण, क्रेडिट कार्ड अथवा दोनों सुविधाओं का संयुक्त लाभ प्राप्त कर सकेंगे। वित्तीय नियमों के अनुरूप, आवेदक का किसी भी वित्तीय संस्था में कोई निष्पादित परिसंपत्ति खाता नहीं होना चाहिए, यद्यपि एसएमए-0 (SMA-0) श्रेणी के खातों पर बैंकों द्वारा विचार किया जा सकेगा तथा इसके लिए न्यूनतम क्रेडिट ब्यूरो स्कोर की कोई बाध्यता नहीं होगी।

क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदकों को सक्षम स्तर पर निर्धारित अभिलेख एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को अपने आवेदन के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा सक्रिय बचत बैंक खाते का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। पथ विक्रेता होने के प्रामाणिक साक्ष्य के रूप में शहरी स्थानीय निकायों अथवा ब्लॉक कार्यालयों द्वारा निर्गत वेंडिंग सर्टिफिकेट (प्रमाण पत्र), सिफारिश पत्र अथवा विभागीय पहचान पत्र मान्य किया जाएगा। यदि आवेदक का वर्तमान निवास स्थान उसके आधार कार्ड में अंकित पते से भिन्न है, तो उसे वर्तमान पते का वैध साक्ष्य भी प्रस्तुत करना होगा। स्वनिधि महोत्सवों एवं विभिन्न मेलों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र बैंकों को प्रेषित करने तथा क्रेडिट कार्ड वितरण की प्रक्रिया को और अधिक तीव्र करने के निर्देश समस्त नगरीय निकायों को दिए गए हैं जिससे अंतिम छोर के वेंडर्स को त्वरित आर्थिक लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने बाल श्रम से मुक्त समाज बनाने का प्रदेशवासियों से किया आह्वान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'विश्व बालश्रम निषेध दिवस' पर प्रदेशवासियों से बाल श्रम से मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि बच्चों के माथे पर बोझ अच्छा नहीं लगता, बच्चों के हाथों में कलम-किताब ही शोभा देते हैं। खुशहाल बचपन और शिक्षा उनका अधिकार है। हमारी सरकार बच्चों के हितों और शिक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।